राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 332 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये

दुर्ग, शनिवार 28 सितम्बर 2024

www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु महालक्ष्मी मर्डर केस : मुख्य आरोपी ने किया सुसाइड, पेड़ पर लटकता मिला शव

नई दिल्ली। बेंगलुरु मर्डर केस में पुलिस को जिस शख्स पर महालक्ष्मी की हत्या कर उसके शरीर के 59 टुकड़े करने का शक था, उसने ओडिशा में आत्महत्या कर ली है। महालक्ष्मी के संदिग्ध कातिल का शव ओडिशा में एक पेड़ से लटका मिला है। उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने जाते-जाते हत्या की बात कबूल की है। 30 साल के आरोपी मुक्ति रंजन रे का शव ओडिशा के भद्रक जिले के धुसुरी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले एक गांव में मिला। आरोपी कातिल मुक्ति रंजन रे कथित तौर पर फरार चल रहा था। स्थानीय पुलिस ने बेंगलुरु पुलिस को इसकी जानकारी दी। बेंगलुरु पुलिस इलाके में संदिग्ध की तलाश कर रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी रंजन मंगलवार को अपने गांव गया था, लेकिन बाद में वह घर से निकल गया और उसका शव गांव के बाहर मिला। परिजनों ने शव की शिनाख्त कर ली है और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जानकारी जुटाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। ओडिशा के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ लॉ एंड ऑर्डर संजय कुमार ने बताया कि पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है।

तमिलनाडु जंगली हाथी ने व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

चेन्नई। तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के चेरामबडी गांव में गुरुवार तड़के एक जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। मृतक की पहचान उसी गांव के कुन्हिमोइदीन के रूप में हुई है। वन विभाग के अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि यह घटना रात दो बजे की है। अधिकारियों ने बताया कि कुन्हिमोइदीन पेड़ की टहनी गिरने की आवाज सुनकर अपने घर से बाहर निकले तो उन्होंने देखा कि उनके सामने एक जंगली हाथी खड़ा है। इससे पहले कि वह कुछ कर पाते, हाथी ने उन पर हमला कर दिया। आक्रोशित स्थानीय लोगों ने ऊटी-बाथेरी राज्य राजमार्ग को जाम कर दिया स्थानीय किसान अब्दुल गफूर ।

ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से हाथियों और अन्य जंगली जानवरों के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। जानवर कृषि फार्मों को नष्ट कर रहे हैं। उन्होंने नियमित हमलों के बारे में वन विभाग के अधिकारियों से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

जहां घटना हुई है यह क्षेत्र केरल के वायनाड और तमिलनाडु के नीलगिरी की सीमा पर स्थित है। जंगली हाथियों के मानव आवासों में घुसने के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिसके कारण मानव और पशु संघर्ष की स्थिति पैदा हुई है।

जुलाई 2024 में वायनाड के सुल्तान बाथरी में एक किसान राजू को जंगली हाथी ने कुचलकर मार डाला था। जब वह अपने खेत से घर वापस आ रहा था, तब हाथी ने उस पर पीछे से हमला किया था। उसे तत्काल इलाज के लिए कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई थी।

विकसित छत्तीसगढ़ का सपना, हम सबका सपना : जे पी नड्डा

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर मे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने नालंदा परिसर में पहुंचकर छात्रों से भाजपा की सदस्यता की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित भारत का जो सपना देखा है, उसे पूर्ण करने में युवाओं की भूमिका अहम होगी। प्रधानमंत्री स्वयं चाहते हैं कि प्रोफेशनल्स पॉलिटिक्स में नई सोच के साथ आएं। इससे राष्ट्र को नई दिशा मिलेगी। इसलिए युवाओं की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल के पॉलिटिक्स में आने से शुचिता की सोच को और बेहतर स्थान मिलेगा। हमारी लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में युवाओं को राजनीति में आना चाहिए।

श्री नड्डा ने कहा कि देश में कुछ दल युवाओं को भ्रमित कर राजनीति करते रहे हैं। वह दल किसी से छिपा नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा ने युवाओं से भाजपा की सदस्यता की अपील की। छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण श्रद्धेय भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उनके सपनों को पूर्ण करने प्रदेश में भाजपा की सरकार कार्य करती रही है। छत्तीसगढ़ राज्य अपना उदय के 25वें बसंत की ओर है। विकसित छत्तीसगढ़ का सपना हम सबका सपना है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा रायपुर पहुँचने के बाद विमानतल से सीधे केनाल रोड पहुँचे और वहाँ स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद श्री नड्डा भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीगोपाल व्यास (शीरू भैया) के विधायक कॉलोनी (छोकरा नाला) स्थित निवास पहुँचे जहाँ उन्होंने श्री व्यास व परिजनों से सौजन्य भेंट की व श्री व्यास के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने श्री व्यास को भाजपा की सदस्यता प्रदान की। लगभग आधा घंटा श्री नड्डा व्यास निवास पर रुके।

दिल से, दल से, जुड़े कमल से : जे.पी. नड्डा : भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने प्रदेश कार्यालय में सदस्यता अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समुचे राष्ट्र से संगठन के महापर्व में जुड़ने का अपील कर रहे हैं। यह महापर्व हम सब के लिए सदैव अविस्मरणीय हो। हम सबको प्रधानमंत्री जी के इस सूत्र वाक्य को अंतिम व्यक्ति तक ले जाने की जरूरत है। दिल से, दल से, जुड़े कमल से। पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भाजपा के सदस्य बनने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हम अपने लक्ष्यों को पूर्ण कर लेंगे। हमें पूर्ण विश्वास है इस दिशा में पार्टी कार्यकर्ता जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संख्याबल जरूरी है लेकिन वैचारिक बल के आधार पर कार्य कर रहे हैं जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय,प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन,प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ,उपमुख्यमंत्री अरुण साव,विजय शर्मा ,सदस्यता अभियान राष्ट्रीय प्रभारी विजया राहटकर,प्रदेश प्रभारी अनुराग सिंहदेव सहित मंत्री, सांसद, विधायक, जिलापंचायत अध्यक्ष, महापौर, सहित प्रदेश सदस्यता अभियान टोली, प्रदेश महामंत्री, संभाग प्रभारी, सहप्रभारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा का हुआ ऐतिहासिक स्वागत, आप सभी के स्वागत से अभिभूत हूं जे.पी. नड्डा : राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डु जी का माना विमानतल पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत् किया। इस स्वागत से वे राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिभूत हुए उन्होंने पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के प्रति आभार माना।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडेय, सुश्री लता उसेंडी, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, राज्यसभा सांसद राजा देवेंद्र प्रताप सिंह, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग सांसद विजय बघेल, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय, बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, जांजगीर सांसद कमलेश जांगड़े, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, महासमुंद सांसद रूप कुमारी चौधरी, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वाणिज्य एवं उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव, भाजपा मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक, अमर अग्रवाल, विक्रम उसेंडी, पुन्नू लाल मोहले, रेणुका सिंह, बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा,महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विजया रहाटकर, भूपेंद्र सवन्नी, लक्ष्मी वर्मा, रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, भारत लाल वर्मा, जगदीश (रामू) रोहरा, रामजी भारती, प्रदेश मंत्री पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक,पूर्व सांसद एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आप प्रमुख का बीजेपी का वार

आतिशी ने केजरीवाल, सिसोदिया को बताया राम-लक्ष्मण की जोड़ी

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली विधानसभा में दिल्ली की सीएम आतिशी ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को राम-लक्ष्मण की जोड़ी बताया है। अपने संबोधन में आतिशी ने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के लिए बहुत खुशी का दिन है क्योंकि 1.5 साल बाद हमारी पार्टी के 'राम और लक्ष्मण'- अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया आज दिल्ली विधानसभा में हैं। लेकिन दुख की बात यह भी है कि बीजेपी की साजिशों के कारण अरविंद केजरीवाल सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठ रहे हैं। आतिशी ने आगे कहा कि जब ईडी-सीबीआई दूसरे नेताओं पर रेड मारते हैं तो वहाँ मिले करोड़ों रुपये और गहनों की रंगोली बनाते हैं। लेकिन आप नेताओं के घर, दफ़्तर और पुश्तैनी घरों में एक रुपया तक नहीं मिला। फिर भी इन्होंने अरविंद केजरीवाल, शिक्षा क्रांति के जनक मनीष सिसोदिया और मोहल्ला क्लीनिक देने वाले सत्येन्द्र जैन को जेल में डाल दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की 22 राज्यों में सरकारें हैं लेकिन एक भी राज्य में इन्होंने ना मुफ़्त बिजली-पानी दिया, ना स्कूल-अस्पताल दिये, फिर भी इनकी सरकारें घाटे में चलती हैं। उन्होंन दावा किया कि केजरीवाल जी ने दिल्लीवालों को मुफ़्त बिजली-पानी दिया, शानदार स्कूल-अस्पताल दिये, महिलाओं को मुफ़्त बस सफ़र और बुजुर्गों को मुफ़्त तीर्थ यात्रा की सुविधा दी।

आप प्रमुख का बीजेपी का वार

एमसीडी स्थायी समिति खाली सीट पर भाजपा ने मारी बाजी

नई दिल्ली/ एजेंसी

सियासी ड्रामे और वोटिंग प्रक्रिया के बाद दिल्ली एमसीडी स्थायी समिति की आखिरी खाली सीट भाजपा के झोली में जा चुकी है। भाजपा उम्मीदवार सुंदर सिंह विजयी हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने 115 वोट हासिल कर सीट जीती, जबकि आप उम्मीदवार निर्मला कुमारी को मतदान के दौरान शून्य वोट मिले। स्थायी समिति दिल्ली नगर निगम की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। इस चुनाव परिणाम के साथ, भाजपा के पास अब पैनल में 10 सदस्य हैं जबकि सत्तारूढ़ आप के पास केवल आठ हैं। एमसीडी एलओपी और बीजेपी पार्षद राजा इकबाल सिंह ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है। आप को पता था कि वे फ्लोर टेस्ट हार जाएंगे इसलिए उन्होंने युद्ध का मैदान छोड़ दिया।क्झूठ बोलने में माहिर है। वे अदालत जा सकते हैं लेकिन अदालत हमेशा उनकी खिंचाई करती है। बीजेपी के विजयी उम्मीदवार सुंदर सिंह तंवर ने कहा कि मुझ पर विश्वास जताने के लिए मैं शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं।' आम आदमी पार्टी ने भी अपना नामांकन दाखिल किया था लेकिन उन्हें शायद अपने ही पार्षदों पर भरोसा नहीं रहा, उन्होंने चुनाव से भाग जाना ही बेहतर समझा। उन्हें कई बार मौके दिये गये। सभी को आज दोपहर एक बजे का समय दिया गया था लेकिन वे नहीं आये। पीठासीन अधिकारी ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराया। मैं जीत गया। एमसीडी स्थायी समिति की आखिरी सीट के लिए चुनाव तब हुए जब इस साल की शुरुआत में आम चुनाव में भाजपा पार्षद कमलजीत सहरावत के पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद यह पद खाली हो गया था। यह पहली बार था कि चुनाव आप और कांग्रेस पार्षदों की भागीदारी के बिना हुआ। आम आदमी पार्टी (आप) की कड़ी आपत्ति के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की एकमात्र रिक्ति के लिए आज चुनाव हुए। मेयर व डिप्टी मेयर की अनुपस्थिति में पीठासीन पदाधिकारी बनाये गये अपर आयुक्त जीतेंद्र यादव की मौजूदगी में मतदान हुआ। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षद जहां मतदान प्रक्रिया से दूर रहे, वहीं कांग्रेस पार्षद भी एमसीडी सदन में मौजूद नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

नगर पालिका द्वारा चलाया जा रहा है स्वच्छता अभियान

दंतेवाड़ा किरंदुल : नगर पालिका परिषद किरंदुल में राज्य एवं केन्द्र शासन द्वारा राज्य मे मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता के थीम अनुसार नगर के वार्ड नं 03 बंगाली कैंप स्वच्छता लक्षित इकाई मे स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमे रीसाइकल कचरा, अनुपयोगी घास एवं अन्य प्रकार के वेस्ट को नगर पालिका टीम द्वारा उठवाया गया, उक्त कार्यक्रम मे नगर पालिका के अधिकारी/कर्मचारी एवं स्वच्छता दीदी स्वच्छता कर्मचारी, स्वच्छता कमांडो उपस्थित रहे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के अनुसार एवं राज्य सरकार के गाइडलाइन के अनुसार स्वच्छता ही सेवा 17 सितंबर को सुरु हुआ है एवं 2 अक्टूबर तक चलने को हैं जिसमे प्रतिदिन स्वच्छता से संबंधित गतिविधियां जैसे रैली, शपथ,एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता श्रमदान एवं अन्य कई कार्यक्रम होने को हैं।

शिक्षा विभाग से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने विधायक डा. रमन सिंह से गुहार

राजनांदगांव। लंबे राजनीतिक अनुभव और पहुंच रखने वाले डा. रमन सिंह की छवि साफ-सुथरी है, लेकिन उनके विधानसभा के शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार और भ्रष्ट अधिकारियों की चर्चा से पूरा विधानसभा शर्मशार हो रहा है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने शुक्रवार को विधायक निवास व कार्यालय पहुंचकर एक लिखित शिकायत सौंपकर शिक्षा विभाग से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही करवाने की मांग की है। श्री पॉल ने अपने पत्र में दस बिंदुओं की जानकारी देकर अनेकों सवाल खड़े कर बताया है कि डॉ. रमन सिंह के विधानसभा क्षेत्र राजनांदगांव के शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार चरम-सीमा पार कर चुका है। बिना उपस्थिति पत्रक प्रस्तुत किए वेतन प्रदाय करना भारी वित्तीय अनियमितता है। वैसे ही पद विरूद्ध वेतन प्रदाय करना उससे भी भारी वित्तीय अनियमितता है। श्री पॉल का कहना है कि पूरे विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, बच्चे डीईओ कार्यालय पहुंचकर शिक्षक की मांग कर रहे हैं, लेकिन डीईओ कार्यालय में अनेक शिक्षक और प्राचार्य को संलग्न कर बाबूगिरी और अफसरगिरी कराया जा रहा है। डीईओ कार्यालय में दूसरे जिले के शिक्षकों और कर्मचारियों को नियम विपरीत संलग्न कर रखा गया है और वेतन उनके जिले के मूल संस्था से निकल रहा है, जो भारी वित्तीय अनियमितता है।

स्विगी लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया यूडीआरएचपी-I

रायपुर। स्विगी लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी के पास यूडीआरएचपी-द्व दाखिल किया है। स्विगी लिमिटेड नए जमाने की, कंजूमर-फ़र्स्ट टेक्नोलोजी कंपनी है जो उपयोगकर्ताओं को एक एकीकृत ऐप के माध्यम से उपयोग में आसान सुविधा प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करती है। इस प्लेटफ़ॉर्म के जरिये भोजन (फ़ूड डिलीवरी), किराना और घरेलू सामान (इंस्टामार्ट) को ब्राउज़ करने, चुनने, ऑर्डर करने और भुगतान करने की सुविधा मिलती है। कंपनी अपने ऑन-डिमांड डिलीवरी पार्टनर नेटवर्क के माध्यम से लोगों के ऑर्डर को उनके दरवाज़े तक पहुँचाती है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 3,750 करोड़ रुपये तक के नए इश्यू और 1 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के 185,286,265 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। शेयरधारकों के समझौते की शर्तों के अनुसार, कंपनी और विक्रय शेयरधारक, बीआरएलएम के परामर्श से, निजी प्लेसमेंट या लागू कानून के तहत अनुमत ऐसे अन्य मार्ग सहित, 750 करोड़ रुपये तक के कैश कंसिडरेशन के लिए अपने विवेक पर, आरओसी के साथ रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले, अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त होने के अधीन, यदि कोई हो, निर्दिष्ट प्रतिभूतियों को जारी करने पर विचार कर सकते हैं।

बचेली पालिका परिषद ने अपोलो हॉस्पिटल के सीएमए से आयुष्मान कार्ड के लिए किया चर्चा और डेंगू से बचाव के लिए मांगा सुझाव

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। लौह नगरी बचेली में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए बचेली हॉस्पिटल के सीएमए विजय वालेचा के साथ पालिका अध्यक्ष पूजा साव उपाध्यक्ष उस्मान खान पार्षद फिरोज नवाब अप्पू कुंजाम बिना साहू दमयंती साहू और निर्मला देवी के साथ ब्रह्म सुनी विशेष मंथन और मनन किया गया सीएमए विजय वालेचा का कहना है की इतना ज्यादा डेंगू का प्रकोप बचेली क्षेत्र में कभी नहीं रहा है ये पुराने रिकार्ड के आधार पे बता रहा हु अभी का दर बेहद ज्यादा है और भयावह स्थिति बन सकती है दूसरी चर्चा का विषय आयुष्मान कार्ड को लेकर हुआ जिसमे सीएमए का कहना है की मरीज अपना कार्ड अपडेट नही रखते है जिससे ऑन लाइन कार्ड रिजेक्शन में चला जाता है और उस कार्ड से इलाज का पेमेंट नही होता है जिसमे अपोलो या एनएमडीसी प्रशासन का कोई दोष नही है बल्कि स्वयं मरीज के परिजन को इस विषय पे गंभीरता से ले और अपना कार्ड को समय समय पे अपडेट भी करवाते रहे जिससे विवाद की स्थिति निर्मित न हो इस विषय को लेकर पालिका अध्यक्ष ने कहा है की बहुत जल्द आयुष्मान कार्ड के अपडेट के लिए शिविर का आयोजन पालिका परिषद के माध्यम से हर वार्ड वार्ड में लगाया जाएगा और पालिका परिषद ने ओपीडी शुल्क के विषय में भी चर्चा किया और कुछ ठोस उपाय के लिए बात रखी बचेली क्षेत्र के अंदर निवासरत सभी लोगो को दवा नि:शुल्क करने का मांग किया गया जिसमे सभी पार्षद की सहमति बनी और सभी ने इस बात का समर्थन किया की एनएमडीसी के सीएसआर का पैसा से बचेली क्षेत्रवासी वालो को लाभ मिले और बचेली नगर की उत्तरोत्तर विकास हो और एनएमडीसी नवरत्न कंपनी का एक आदर्श नगर साबित हो।

24 वीं शालेय राज्य स्तरीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन पाटन में, 28 और 29 सितंबर की खिलाड़ी दिखाएंगे दम, पांच संभाग के खिलाड़ी होंगे शामिल

पाटन। 24 वीं शालेय राज्य स्तरीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन पाटन में, 28 और 29 सितंबर को किया जा रहा है। 28 सितंबर शनिवार सुबह 11:00 बजे से रेस्ट हाऊस के पीछे (खेल मैदान) में प्रतियोगिता का शुरुआत की जाएगी। इस प्रतियोगिता में अंदर 17 ओर अंडर 19 के पांच भाग के खिलाड़ी शामिल होंगे। बालक और बालिका दोनो वर्ग का लिए यह स्पर्धा आयोजित है। खिलाड़ी शामिल होंगे। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता - विधायक अहिवारा डोमनलाल कोर्सेवाड़ा करेंगे विशिष्ट अतिथि - गजेन्द्र यादव विधायक - दुर्ग शहर होंगें इसके अलावा अन्य अतिथियों में जितेन्द्र वर्मा अध्यक्ष जिला भाजपा दुर्ग, श्रीमती हर्षालोकमणी चन्द्राकर जिला पं. सदस्य दुर्ग, श्रीमती राम बाई सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन, लोकमणी चन्द्राकर मण्डल अध्यक्ष उत्तर पाटन, लालेश्वर साहू मण्डल अध्यक्ष दक्षिण पाटन होंगे। प्रतियोगिता का पुरस्कार एवं समापन समारोह 30 सितंबर सोमवार को सुबह 11:00 बजे से स्थान: रेस्ट हाऊस के पीछे खेल मैदान में होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ललित चन्द्राकर विधायक - दुर्ग ग्रामीण उपाध्यक्ष छ.ग. राज्य ग्रामीण एवम अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण होंगे। अध्यक्षता गजेन्द्र यादव विधायक - दुर्ग शहर करेंगे। विशिष्ट अतिथि श्रीमती हर्षालोकमणी चन्द्राकर जिला पं. सदस्य दुर्ग, श्रीमती राम बाई सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन, खेमलाल साहू मण्डल अध्यक्ष मध्य पाटन, लोकमणी चन्द्राकर मण्डल अध्यक्ष उत्तर पाटन, लालेश्वर साहू मण्डल अध्यक्ष दक्षिण पाटन होंगे। खेल प्रभारी पोखन साहू ने बताया की यह आयोजन जिला प्रशासन व शालेय शिक्षा विभाग दुर्ग द्वारा किया जा रहा है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन द्वारा चार सूत्रीय मांग को लेकर किया आंदोलन धरना व रैली

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाटन को सौंपा ज्ञापन

पाटन। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन द्वारा आज दिनांक 27/9/2024 शुक्रवार को एक दिवसीय हड़ताल धरना प्रदर्शन रैली का आयोजन किया गया,ब्लाक संयोजक महेन्द्र कुमार साहू ने अपने उद्बोधन में बताया कि यह हड़ताल अपने जायज हक, अधिकार व परिवार के अधिकारों की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ फेडरेशन के चार सूत्री मांग — (1) मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान 1 जनवरी 24 से महंगाई भत्ता दिया जाए।(2) चार स्तरीय समयमान वेतनमान, केंद्र के समान गृह भाड़ा भत्ता स्वीकृत करने (3)जुलाई 2019 से देय तिथि पर लंबित मंहगाई भत्तों के एरियर्स राशि का जीपीएफ खाते में समायोजन करने (4) मध्यप्रदेश की भांति 240 दिन के स्थान पर 300 दिन का अर्जित अवकाश नगदीकरण का लाभ दिए जाने हेतु मांगों को लेकर आंदोलन करना पड़ रहा है आंदोलन स्थल से रैली निकाल कर अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में समय 03 बजे श्री लवकेश ध्रुव अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाटन को ज्ञापन सौंपा गया उक्त अवसर पर फेडरेशन के ब्लाक संयोजन महेन्द्र कुमार साहू, संरक्षण टिकेन्द्र वर्मा,प्रांतिय सह प्रवक्ता ललित बिजौरा, ब्लाक सचिव जैनेन्द्र गंजिर,पेंशनर समाज अध्यक्ष हीरासिंह वर्मा,योगेश वर्मा,कन्हैया लाल मन्नाडे,सेवक राम वर्मा,हलधर देवांगन,कोषाध्यक्ष गिरधर वर्मा,प्रदेश महामंत्री यशवंत आडिल,विनोद साहू,कपिल वर्मा विष्णु कुमार वर्मा, नोहर सिंह वर्मा, नरेन्द्र कुमार दुबे, मनीराम देवांगन,वरुण साहू, झरनादास, संगीत बंजारे, लक्ष्मीबघेल,उर्वशी देशलहरे,रंजना दुबे,अंजिता कश्यप,रामकृष्ण ताम्रकार, बुधराम ठाकुर,मनोज कौशिक, पवन कामड़े,युवराज सिंह बैस,नीरजप्रताप सिंह,द्वारिका यादव,नरेश पटेल,प्रवीण शर्मा,सियाराम तारक, मानसिंग नाविक, अंजिता धुरन्धर, भारती साहू,क्षमा कुर्रे, द्वारिका प्रसाद पाटिल, मोतीलाल सिन्हा,नंद कुमार वर्मा, नंद कुमार वर्मा आदि अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे

उद्यानिकी महाविद्यालय सांकरा के एमएससी एवं पीएचडी के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र सांकरा के पीएचडी एवं एम एस सी हॉर्टिकल्चर, सब्जी विभाग के छात्रों द्वारा वीएनआर सीट्स प्राइवेट लिमिटेड धमधा रोड, अहिवारा एवं चावड़ा बाग रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 26 सितंबर 2024 को किया गया। जिसमे सब्जी प्रसंस्करण इकाई में कार्य कर रहे रवींद्र यादव ने बताया कि कैसे सब्जियों के बीजों को ग्रेडिंग करना उनका बीज शोधन, पैकिंग और इन क्रियाकलापों में इस्तेमाल होने वाली मशीनों की विस्तृत जानकारी और बीज को लंबे समय तक कोल्ड स्टोरेज में संरक्षित रूप में भंडारण और समय-समय पर मांग के अनुसार इन बीजों का विपणन और इनसे प्राप्त लाभ की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और वही बीज गुणवत्ता प्रयोगशाला इकाई में कार्यरत संतोष जी ने बीच के गुणवत्ता संबंधी जांच जैसे बीजों की अंकुरण क्षमता, बीज शक्ति, शुद्धता परीक्षण की विस्तृत जानकारी दी। जिससे बीजों की गुणवत्ता का आसानी पूर्वक जांच छात्रों द्वारा किया जा सकेगा। अंत में चावड़ा बाग रायपुर में भ्रमण किया गया जिसमे वेजिटेबल ग्राफ्टिंग की सही प्रक्रिया सिखाई गई। जो की नवीनतम तकनीकों के दौर पर एक अच्छे आय के स्रोत के रूप में उभर रहा है। यह तकनीक विपरीत परिस्थिति या वातावरण में भी अच्छा उत्पादन देने की क्षमता रखती है। इस पद्धति को भविष्य में छात्र अपने स्वयं के व्यापार द्वारा लाभ अर्जित करने में सक्षम हो सकते है।

शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों के अध्ययन में गुणवत्ता लाना, नई तकनीक को देखकर समझना और भविष्य में आजीविका के रूप में उपयोग कर सकते है। शैक्षणिक भ्रमण अधिष्ठाता डॉक्टर अमित दीक्षित के मार्गदर्शन में हुआ एवं सफलतापूर्वक भ्रमण कराने में सहायक प्राध्यापक डॉ अनीता केरकेट्टा एवं डॉ श्रेया पैकरा की विशेष योगदान रहा शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों में उत्साह एवं खुशी का माहौल है और इस प्रकार की भ्रमण कराने के लिए सभी बच्चों ने महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. अमित दीक्षित को धन्यवाद प्रेषित किया है!!

11 वाँ अथक प्रतिभा सम्मान समारोह में नवाजे गए प्रतिभाएं, 81 छात्र छात्राओं का किया सम्मान, पहंडोर में हुआ आयोजन

पाटन। शास. उ. मा. विद्यालय पहंडोर में अथक संस्था द्वारा अपनी परंपरा को कायम रखते हुए विगत दिनों मे प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि रवि श्रीवास्तव वरिष्ठ साहित्यकार थे। विशेष अतिथि देवेन्द्र चंद्रवंशी उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरुषोत्तम मद ?रिया सरपंच ग्राम पंचायत पहंडोर ने की। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात छात्र / छात्राओं के द्वारा राज्यगीत तथा स्वागत गीत किया प्रस्तुत गया। समारोह में कुल 81 प्रतिभाशाली छात्र/ छात्राओं को प्रतीक चिह्न, प्रमाणपत्र तथा श्रीफल, फोल्डर प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में अथक संस्था के अध्यक्ष ची. आर साहू द्वारा स्वागत भाषण तथा संस्था के महत्वपूर्ण उद्देश्यों एवं गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया । मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथि के द्वारा उद्बोधन में अथक संस्था की सराहना करते हुए छात्र/छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया । कार्यक्रम में मंच संचालन सीताराम साहू सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीराम उ. मा. वि. पैरी के द्वारा किया गया। छात्र छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। उक्त कार्यक्रम में किरणवर्मा (डुमरडीह) रूक्क्क्स प्रथम वर्ष एवं दुर्गारानी वर्मा (महकाकला कक्षा 10वी को मेरिट में आने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में के पी देशमुख, के एस सा, ए. के गुप्ता, वासुदेव चौधरी, बसंत सोनी, टी. एस कोल्हे ए.जे सुकतेल, पी एस ठाकुर, एम एल पटेल, सेवाराम दिल्लीवार, पी. डी. वैष्णव, अशोक बंदोर, जी.एस चंद्राकर, शीतल साहू, के के शुक्ला, प्राचार्य जे. पी. पाण्डेय एवं एस. के. रिकरिहा ने अपनी उपस्थित दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालयके प्राचार्य के के आडिल, समस्त शिक्षकगण, सरपंच, पंचगण एवं शाला विकास समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

डीए और गहभाड़ा भत्ता की अपनी लंबित मांगों के समर्थन में उमड़ा शासकीय सेवकों का जनसैलाब

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन राजनांदगांव जिला ईकाई अपने प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा एवं प्रांतीय सचिव राजेश चटर्जी के आव्हान पर, जिला संयोजक डॉ. केएल टाण्डेकर एवं महासचिव सतीश ब्यौहरे के नेतृत्व में, राजनांदगांव जिले में शासकीय सेवकगण अपनी डीए और गृहभाड़ा भत्ते सहित चार सूत्रीय लंबित मांगों के समर्थन में एक दिवसीय प्रांतव्यापी धरना-प्रदर्शन के माध्यम से आंदोलनरत् हुए। कलम बंद-काम बंद के नारे के साथ अपनी मांगों को लेकर यह आंदोलन आज 27 सितंबर की प्रात: लगभग 10 बजे से शाम 4 बजे तक धरनास्थल कलेक्ट्रेट के सामने फ्लाई ओव्हर के नीचे संपन्न हुआ। तत्पश्चात शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकगण एकत्रित होकर अपनी लंबित मांगों के लिये जोर-शोर से एकजुट होकर नारेबाजी करते एवं राज्य शासन के कर्मचारियों को केन्द्र शासन के समान देय तिथि अनुसार 50 प्रतिशत डीए एवं बकाया एरियर्स राशि सहित सांतवे वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता की मांग करते हुए वृहद स्तर पर हड़ताल, एवं धरना-प्रदर्शन करते दिखाई दिये। आंदोलन के विषय में फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ. केएल टाण्डेकर एवं महासचिव सतीश ब्यौहरे ने बताया कि पूर्व में फेडरेशन के द्वारा शांतिपूर्ण चरणबद्ध आंदोलन के माध्यम से राज्य शासन को समय-समय पर अपनी जायज मांगों के निराकरण हेतु अनुरोध किया जाता रहा है, किन्तु राज्य शासन द्वारा शासकीय सेवकों के हित में समाधानकारक निर्णय नहीं लेने के कारण प्रदेश के कर्मचारीगण, अधिकारीगण, पेंशनर्स प्रताड़ित हो रहे है। शासन द्वारा राज्य सेवा के कर्मचारियों के वेतन में लगातार कटौती की जा रही है, और उनके मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है जिसके कारण शासकीय सेवकों में निराशा और आक्रोश व्याप्त है और वे अपने हक की लड़ाई के लिये लामबद्ध हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के सैंकड़ो कर्मचारीगण-अधिकारीगण

सामूहिक रूप से अवकाश लेकर आज 27 सितंबर को राजनांदगांव जिला कार्यालय के सामने, फ्लाईओवर के नीचे जीई रोड पर एक दिवसीय प्रान्तव्यापी कलम बंद-काम बंद हड़ताल, एवं धरना-प्रदर्शन के माध्यम से शासन तक अपनी बात पहँचाने का प्रयास किया है और इसमे काफी हद तक सफल भी रहे है, जिसके चलते आज ब्लाक, तहसील एवं जिला स्तर के शासकीय कार्यालयों एवं विभागों में दिनभर कामकाज ठप्प रहा है। जिले के कई अधिकारीगण भी कार्यालयों में अपनी सीट पर अनुपस्थित रहकर आज के इस आंदोलन को मौन समर्थन देते दिखे। शासकीय सेवकों की केन्द्र शासन के समान देय तिथि से डीए एवं सांतवे वेतनमान के अनुरूप गृहभाड़ा भत्ते सहित चार सूत्रीय मांगों को पूरा करने के राजनांदगांव जिला ईकाई के इस आंदोलन में मुख्य रूप से विभिन्न संगठनों एवं संघों के अध्यक्षगण पदाधिकारीगण सदस्यगण सैकड़ों की तादाद में उपस्थित रहे।

फेडरेशन के पदाधिकारी में मुख्य रूप से जिला संयोजक डॉ. केएल टांडेकर, जिला महासचिव सतीश ब्यौहरे, एसके ओझा, पदाधिकारीगण पीआर झाड़े, रामनारायण बघेल, उत्तम फंदियाल संतोष चौहान, डॉ. अशोक जैन, अरूण देवांगन, आदर्श वासनिक, आनंद कुमार श्रीवास्तव, संजय तिवारी, महेश्वर प्रसाद साहू, परदेसी राम साहू, कौशल कुमार शर्मा, विनोद मिश्रा, राज्यशेखर मेश्राम, डीएल चौधरी, भूपेंद्र कांडे, अजीत दुबे, यशवंत सिन्हा, महेश साहू, जाकेश साहू, कृतलाल साहू, हरीश भाटिया, जयंत बावने, एनएल देवांगन, उपेन्द्र रामटेके, हरीशचंद यादव, जीआर देवांगन, अंबरीश प्रजापति, दिलीप बारले, डॉ. बीपी चंद्राकर, भीषम ठाकुर, विनोद टांडेकर, यशवंत नेताम, रोशन साहू, वीरेंद्र कुमार रंगारी, मुकेश महेश्वरी, राजेन्द्र देवांगन, सीएल चंद्रवंशी, अभिषेक श्रीवास्तव, नितिन देशमुख, दीपक कुमार वैष्णव, डॉ. अशोक जैन, डॉ. माजिद अली, यशवंत जंघेल, दुर्गा जादौन, मनीष साहू, विजय यदु, डीके लिल्हारे, श्रीमती प्रतिमा मल, डैनी राम वर्मा, अभय श्रीवास्तव, भेल सिंह वर्मा, योगेंद्र नाथ पांडे, संतोष देशमुख, रोशन साहू, प्रीति बाला लाटिया, राजेश रथी, धनलक्ष्मी महोबिया, लक्ष्मी देवांगन प्रमुख रहे।

आंदोलन के विषय में जिला संयोजक डॉ. केएल टांडेकर एवं जिला महासचिव सतीश ब्यौहरे ने यह भी बताया कि राज्य के कर्मचारी-अधिकारी, शासन के उपेक्षापूर्ण रवैय्ये से क्षुब्ध एवं व्यथित होकर, इसके विरोध में आज प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के माध्यम से आंदोलन कर रहे हैं और इस आंदोलन को राज्य सेवा के विभिन्न 112 से अधिक कर्मचारी एवं अधिकारी संगठनों का समर्थन प्राप्त है, जो राज्य शासन से अपनी मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन के लिये कमर कस चुके हैं। यदि शासन छग कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की लंबित मांगों पर शीघ्र कोई समाधानकारक ठोस निर्णय नहीं लेती है तो यह और उग्र होगा, अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए फेडरेशन रूख करेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी राज्य शासन की होगी।

सार समाचार

फंदे पर लटकती मिली लाश

रायपुर(समय दर्शन)। शहर के उरला थानाक्षेत्र के अछोली स्थित दाऊ का बाड़ा से एक व्यक्ति की लाश संदिग्ध हालत में मिली है। पुलिस ने मृतक की पहचान शंकर दास मानिकपुरी उर्फ चीरा के रूप में की है। मृतक थाने में गुंडा-बदमाश के तौर पर दर्ज था। मिली जानकारी के अनुसार उरला पुलिस को सूचना मिली थी कि अछोली स्थित दाऊ का बाड़ा में एक व्यक्ति की लाश फ दे पर लटक रही है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने मृतक की पहचान शंकर दास मानिकपुरी उर्फ चीरा निवासी आछोली उरला के रूप में की है। पुलिस का कहना है कि मृतक चीरा थाना क्षेत्र का नामी बदमाश था जिसपर कई आपराधिक मामले भी दर्ज थे। मृतक की मौत का कारण फिलहाल पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ पायेगी। पुलिस इस मामले में मृतक करीबियों से भी पूछताछ कर रही है।

मॉल के पास खड़ी टाटा एस वाहन पार

रायपुर(समय दर्शन)। गोंदवारा रिंग रोड 2 स्थित माल के पीछे खड़े टाटा एस वाहन को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी काशीराम गुप्ता 40 एमआईजी डीलक्स कबीरनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी टाटा एस वाहन क्रमांक सीजी 04 एनएस 4368 को गोंदवारा रिंग रोड 2 स्थित माल के पीछे खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए वाहन की कीमत करीब 4 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बैंक के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर(समय दर्शन)। मंदिरहसौद स्थित एसबीआई बैंक के सामने खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हेमलाल वर्मा 35 वर्ष मंदिरहसौद का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनएफ 7752 को एसबीआई बैंक के सामने खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सामग्री का भी किया वितरण

उपमुख्यमंत्री ने माओवादी हिंसा से पीड़ित बस्तर के नागरिकों का अपने निवास में किया गर्मजोशी से स्वागत

रायपुर(समय दर्शन)। आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने निवास कार्यालय पर माओवादी हिंसा से पीड़ित बस्तर के लगभग 55 नागरिकों का गर्मजोशी से स्वागत किया, जो अपनी व्यथा और समस्याओं को लेकर दिल्ली गए थे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक पीड़ित से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उपमुख्यमंत्री ने उनकी पीड़ाओं को ध्यान से सुना। इस मौके पर उन्होंने पीड़ितों को दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं जैसे रेडियो, घड़ी, थाली, लोटा, गिलास, टॉर्च, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, बैग और बच्चों के लिए चॉकलेट का वितरण कर उनकी सहायता की। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर के गांव-गांव में विकास के मार्ग को नक्सलियों ने आईईडी से जकड़ रखा है। ये आईईडी न गांववालों को पहचानती है, न जानवरों को। इसके धमाकों में सैकड़ों लोग अपंग हो चुके हैं। किसी का पैर कट गया है, किसी की आंखें चली गई हैं, तो कोई अपने हाथ खो चुका है। यह माओवादी हिंसा गांवों को दहशत में डालने का काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यहां उपस्थित सभी लोग उन मानवाधिकार समर्थकों से सवाल कर रहे हैं जो नक्सलियों का समर्थन करते हैं। आखिर क्यों कोई बस्तर के लोगों के दर्द पर चर्चा नहीं करता? बस्तर के गांववालों की जिंदगी पर कोई क्यों नहीं बोलता? यह अत्याचार कब तक चलेगा? उपमुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा की माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुसार बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का अंत किया जाएगा। जो लोग सुरक्षा बलों के मनोबल को तोड़ने की कोशिश करते हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि यह केवल बस्तर का नहीं बल्कि पूरे देश का मुद्दा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से डोंगरहा पटेल को मिला पक्का आवास

मुख्यमंत्री साय के सुशासन में जिंदगी ने पकड़ी रफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कबीरधाम जिले के ग्राम सैगोना निवासी डोंगरहा पटेल को पक्का आवास मिलने से उनके जीवन में खुशियों की नई किरणें बिखरी हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में सरकार की अनेक योजना का लाभ मिलने से उनकी जिंदगी ने एक नई रफ्तार पकड़ी है। डोंगरहा पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से अब सपना नहीं, हकीकत में अपना घर है। इसके अलावा शासन की महतारी वंदन योजना, पेंशन योजना, धान खरीदी से आर्थिक रूप से शसक्त हुए है। पटेल बताते है कि उनके और उनके परिवार के लिए पक्का मकान मिलना किसी सपने के साकार होने जैसा है। पहले जहाँ उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था, वहाँ अब उन्हें एक मजबूत और सुरक्षित घर मिला है। डोंगरहा पटेल ने बताया कि बारिश और मौसम की मार से अब उनका परिवार सुरक्षित है। पहले जहां हर मौसम में घर की मरम्मत और अन्य समस्याओं से जूझना पड़ता था, अब उन चिंताओं से मुक्ति मिल गई है। इसके साथ ही, समाज में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी है। पक्के मकान ने न सिर्फ उनके जीवन को आर्थिक रूप से स्थिर किया है, बल्कि उनके आत्मसम्मान और सामाजिक सम्मान में भी वृद्धि की है। परिवार में खुशियों का माहौल है और अब वे भविष्य को लेकर अधिक सकारात्मक और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। डोंगराहा पटेल ने बताया कि सिर्फ आवास ही नही बल्कि उन्हें और उनकी पत्नी बिसाहींन पटेल दोनों को शासन की योजना के तहत पेंशन मिलता है, जिससे उनका बुढ़ापा सुरक्षित हुआ है। उनके पास लगभग पौने 2 एकड़ खेती की जमीन है। खेती से शासन की योजना के तहत 3100 रुपए में धान विक्रय से आर्थिक लाभ मिल रहा, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है। उन्होंने बताया कि उनके तीन बेटे और तीन बहुएं हैं, जो परिवार को संबल प्रदान करती हैं। उनके तीनों बहुओं को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपए मिल रहा हैं, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। इस योजना ने न केवल उनके जीवन में स्थिरता लाई है, बल्कि आत्मसम्मान और खुशी भी बढ़ाई है। डोंगरहा पटेल ने अपने नए पक्के मकान में प्रवेश करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार के प्रति अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया।

4 सूत्रीय मांगों को लेकर रायपुर निगम कर्मचारी रहे हड़ताल पर

रायपुर (समय दर्शन)। नगर निकायों के कर्मचारियों को छठवें व सातवें वेतनमान की एरियर्स राशि के भुगतान सहित अन्य मांगों को लेकर नगर पालिक निगम रायपुर के अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल रहे। उन्होंने अपनी मांगों को पूरा करने नारे भी लगाये तथा साथ ही निगम मुख्यालय के सामने गार्डन से बूढ़ातालाब इंडोर स्टेडियम तक रैली निकाली।

उनकी प्रमुख मांगों में- 1. नगरीय निकायों में प्रत्येक माह की 1 तारीख को वेतन भुगतान ट्रेजरी के माध्यम से सुनिश्चित हो। 2. नगरीय निकायों में अन्य विभाग की भांति ओल्ड पेंशन योजना शीघ्र ही लागू किया जावे एवं सामान्य प्रशासन विभाग एवं वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश/निर्देश जिस तिथि से जारी हो उस तिथि से आदेश निर्देश समस्त नगरीय निकायों में पूर्णतः लागू हो। 3. नगरीय निकायों में मृतक कर्मचारी के परिवारों को शीघ्र ही संभाग स्तर में रिक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किया जावे। 4. नगरीय निकायों के कर्मचारियों को 6वें व 7वें वेतनमान की एरियर्स की राशि का भुगतान थी। आज के हड़ताल में कर्मचारियों-अधिकारियों का अच्छा समर्थन मिला। इस दौरान निगम कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा परंतु क्षेत्र में सफाई और जल आपूर्ति बाधित नहीं हुआ।

गौ संरक्षण के प्रति संजीदा हो सिस्टम - अनिकेत कृष्ण शास्त्री

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी में महाराज जी ने मीडिया से रूबरू होते हुए सिस्टम पर कड़ा प्रहार किया। गौ हत्या की नियमित बढ़ोतरी पर हुंकार लगाते हुए महाराज जी ने कहा आजादी के समय देश में 78 करोड़ गौ की संख्या थी और देश की कुल संख्या 30 करोड़ थी लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि अब देश की संख्या जहां 150 करोड़ हो चुकी है लेकिन गायों की संख्या 19 करोड़ बची हुई है। उन्होंने आगे कहा अब तक की जितनी भी सरकारें देश की सत्ता पर काबिज़ हुई सभी ने बढ़ती गौ हत्या के प्रति अपनी संवदेना को दरकिनार किया। आज गौ सेवकों की जान खतरे में है, वो सुरक्षित नहीं है, भय के माहौल में है। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है ? जब पत्रकार साथी ने सवाल पूछा की महाराज जी तिरुपति बालाजी मंदिर में बनने वाले लड्डू के लिए जो घी का निर्माण होता उसमें गाय की चर्बी मिली इसपर आप क्या कहेंगे? महाराज जी ने साफ कहा जो भी आरोपी है उनको तत्काल दंडित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि, हम गौ हत्या के खिलाफ आवाज़ उठाने के साथ-साथ ही आदरणीय प्रधानमंत्री से इस संदर्भ में पत्राचार किया है और वहां से मुहर लग के हमको ये आश्वासन मिला है की जल्द जी प्रधानमंत्री जी से आपकी वार्ता कराई जाएगी। कर्म और धर्म की प्रधानता के प्रश्न में उन्होंने कहा कि धर्म और कर्म में प्रधान धर्म है आप बिना धर्म के जो भी कर्म करेंगें वो सफल नहीं होगा। देश में बढ़ते पाखडियों बाबाओं पर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा हमारे यहां तो महज 11 लौंग से लोगों की समस्या को दूर किया जाता है। मैं कोई पैसा नहीं लेता। आप आएं हमारे यहां आपकी जो भी समस्या है उसका उचित निवारण किया जाएगा। महाराज जी पत्रकारों के सभी सवालों का बड़ी बेबाकी के साथ जवाब दिया। उन्होंने आगे कहा हमारा यही प्रयास है कि देश में गायों की हत्या बंद हो। इसके लिए हम देश के कोने कोने जाके लोगों को संकल्पित करेंगे कि गौहत्या पर लगाम लगाने वाली सरकारों को चुनो। अगर सरकार भी गौ हत्या पर रोक नहीं लगाती तो इस सरकार का भी सत्ता से हटना तय है।

ओला इलेक्ट्रिक ने 'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' लॉन्च किया, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और #EndICEAge के लिए 600 से ज्यादा पार्टनर्स जोड़े

बैंगलुरू: भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज अपना नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम लॉन्च किया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य ईवी क्रांति को बढ़ाकर भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों तक ले जाना है, जिसमें वो शहरी इलाके शामिल हैं, जहाँ तक ईवी का विस्तार कम हुआ है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी ने भारत में अपने सेल्स के फुटप्रिंट बढ़ाने के लिए 625 पार्टनर्स को जोड़ा है। ओला इलेक्ट्रिक द्वारा इस साल त्योहारों से पहले पार्टनर्स की संख्या को बढ़ाकर 1000 तक ले जाया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने 2025 के अंत तक अपने सेल्स और सर्विस नेटवर्क में 10,000 पार्टनर्स को जोड़ने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के बारे में भी बताया। 'नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम' द्वारा ओला को अपने प्रतिस्पर्धियों से बढ़त मिलेगी क्योंकि इसके अंतर्गत पार्टनर्स ऑटोमोटिव उद्योग के पारंपरिक डीलरशिप मॉडल के मुकाबले कम निवेश में ज्यादा तेजी से विस्तार कर सकते हैं।

मर्सी फॉर एनिमल्स इंडिया के सदस्यों ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर भोजन के लिए पाले जाने वाले पशुओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को उजागर करते हुए विरोध प्रदर्शन किया.

हेलो गोदरेज - फसल सुरक्षा के लिए गोदरेज एग्रोवेट द्वारा शुरू की गई कृषि परामर्श हेल्पलाइन

मुंबई : भारत के सबसे बड़े तथा विविधीकृत खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय समूहों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) ने हाल ही में एक बहुभाषी कृषि परामर्श हेल्पलाइन, 'हेलो गोदरेज' शुरू करने की घोषणा की। यह हेल्पलाइन पर फोन करने से फसल सुरक्षा के लिए फौरन विशेषज्ञता पूर्ण समाधान मुहैया कराया जाएगा। कंपनी कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है और ऐसे में देश भर के किसानों के लिए आठ क्षेत्रीय भाषाओं ङ्क हिंदी, मराठी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, बंगाली, पंजाबी और अंग्रेजी में उपलब्ध यह नई पहल किसानों को ज़रूरत पड़ने पर उनके खेत पर या फोन पर मदद करेगी। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, बलराम सिंह यादव ने इस पहल पर अपनी टिप्पणी में कहा, गोदरेज एग्रोवेट में हम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में किसान और इनका परिवार ही होता है। बेहतर पैदावार के लिए सही समय पर सही समाधान की उपलब्धता और उपयोग अनिवार्य है, हैलो गोदरेज हमें वास्तविक समय में व्यक्तिगत समाधान प्रदान करके किसानों और कृषि विशेषज्ञों को जोड़ने में मदद करेगा। जलवायु में हो रहे बदलाव और कीटों के बढ़ते हमलों ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। खेती में ऐसी लगातार बदलती परिस्थितियों के बीच, किसानों को नए फसल सुरक्षा समाधानों और उनकी पसंदीदा भाषा में व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करना समय की मांग है। देश भर के किसान हैलो गोदरेज के जरिये अब हमारे कृषि विशेषज्ञों की टीम से सीधे सलाह ले सकते हैं।

अब डिस्पेंसरी मजदूरों को सीधे विशेषज्ञ हॉस्पिटल में कर सकेंगे रेफर: मंत्री देवांगन

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में मंत्री देवांगन ने की समीक्षा

रायपुर(समय दर्शन)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में प्रदेश के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी व्यवस्था बनाए जिसमें श्रमिक और उनके परिवार जनों को डिस्पेंसरी से सीधे विशेषज्ञ हॉस्पिटल (अनुबंधित) में रेफर कर सकें। वर्तमान में गंभीर बीमारी से ग्रस्त और इमरजेंसी में मरीजों को पहले ईएसआईसी के डिसपेंसरी फिर मुख्य अस्पताल से अनुबंधित अस्पताल रेफर करवाना पड़ता है। इस जटिल प्रक्रिया की वजह से श्रमिक परिवारों को काफी परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए मंत्री देवांगन ने कहा की ईएसआईसी जब तक अपने अस्पतालों में सुविधा नही बढ़ाती तब तक मरीजों को अन्य अस्पतालों में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराएं। कैबिनेट मंत्री ने प्रदेश के राइस मिल, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, निजी स्कूल समेत अन्य संस्थान के सर्वे कर ज्यादा से ज्यादा कर्मियों को ईएसआईसी में पंजीकृत करने के निर्देश। उन्होंने बस्तर में जल्द कार्यालय और अस्पताल प्रारंभ करने निर्देशित किया। प्रदेश में 4 नए औषधालय शुरु करने के निर्देश दिया। साथ ही ईएसआईसी अस्पतालों में आईपीडी की सुविधा बढ़ाने को कहा। श्रम मंत्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा संचालित अस्पतालों में श्रमिकों का बेहतर से बेहतर उपचार हो, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। कैबिनेट मंत्री देवांगन गुरुवार को मंत्रालय में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अंतर्गत क्षेत्रीय परिषद जिसमें ईएसआई एवं आरआईटीईएस के अधिकारियों की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए। देवांगन ने इएसआईसी अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करने हेतु रीजनल बोर्ड के सदस्यों को ईएसआई स्थानीय चिकित्सक द्वारा आमंत्रित करने को कहा। छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 4 नए औषधालय जिनमें ग्राम लारा, खरसिया, तिल्दा एवं उरला में खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा कार्यवाही की जा रही है। कैबिनेट मंत्री देवांगन ने बिलासपुर जिले हेतु 100 बेड अस्पताल के निर्माण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल हेतु राज्य शासन के द्वारा भूमि के दिए गए विकल्पों का समिति के द्वारा परीक्षण कर मुख्यालय भेजा गया है। मुख्यालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम के द्वारा विकल्पों का मूल्यांकन किया जा रहा है। बस्तर जिले हेतु औषधालय कार्यालय (डीसीबीओ) का अनुमोदन किया गया। जिसमें मुख्यालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम के द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णयों के अनुसार केवल शासकीय, अर्द्धशासकीय, सार्वजनिक उपक्रम के भवनों में नए कार्यालय खोले जाने है। किन्तु अभी तक उपयुक्त भवन उपलब्ध नही हो पाया है। इस संबंध में कैबिनेट मंत्री ने भारत संचार निगम एवं भारतीय जीवन बीमा निगम को भवन की उपलब्धता हेतु इन संस्थाओं से सम्पर्क करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन के द्वारा ग्राम कुरूंदी औषधालय सह कार्यालय (डीसीबीओ) के निर्माण हेतु जमीन चिन्हित की गई है। यह जमीन इस हेतु उपयुक्त पायी गई है। निगम के द्वारा राज्य शासन से आबंटन यथाशीघ्र कराने के संबंध में प्रस्ताव भेजने पर सहमती व्यक्त की गई। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के चार और जिलों में शाखा कार्यालय जल्द ही खोला जाना है। इनमें सरगुजा, सूरजपुर एवं दंतेवाड़ा में शाखा खोलने हेतु बीएसएनएल से किराये पर भवन ले लिया गया है। जिसका संचालन जल्द ही प्रारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही जशपुर में भी शाखा कार्यालय खोलने हेतु भवन किराये पर लेने बीएसएनएल पत्राचार किया जा रहा है।

संपादकीय

केजरीवाल को सत्ता से हटाने की व्यूह

अब जबकि 2025 का चुनाव बमुश्किल पांच महीने दूर है, लगता है कि केंद्र ने अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए केजरीवाल को सत्ता से हटाने की व्यूह रचना की है। दिल्ली में जल्द ही राष्ट्रपति शासन लगने की चर्चाएं जोरों पर हैं। अरविंद केजरीवाल लंबे समय से केंद्र सरकार और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की आंख में कांटा है। उनसे मुक्ति पाने के लिए भाजपा ने कई बार जोर लगाया, लेकिन अब तक नाकाम रही है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में भी पार्टी ने आम आदमी पार्टी को हराने की कोशिश में अपनी पूरी ताकत लगाई थी। लेकिन अब जबकि 2025 का चुनाव बमुश्किल पांच महीने दूर है, लगता है कि केंद्र ने अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए केजरीवाल और आ.आ.पा. को सत्ता से हटाने की व्यूह रचना की है। भाजपा पिछले कई महीनों से कहती आ रही है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े आरोपों के चलते जेल में होने के बावजूद इस्तीफा नहीं दे रहे हैं, जिससे दिल्ली में संवैधानिक संकट पैदा हो गया है। अगस्त में दिल्ली के भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलकर उन्हें एक चिट्ठी सौंपी। इसमें मांग की गई कि संवैधानिक संकट' को देखते हुए दिल्ली सरकार को बर्खास्त किया जाए और राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक राष्ट्रपति ने इस मामले पर कार्रवाई के लिए विधायकों की चिट्ठी केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी है। तब से सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली में वाकई राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाएगा। राष्ट्रपति शासन संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत लगाया जाता है। इस अनुच्छेद के मुताबिक राष्ट्रपति इस बात से आश्वस्त हों कि किसी राज्य में संवैधानिक तंत्र भंग हो चुका है, तो वे वहां राष्ट्रपति शासन लागू कर सकते हैं। अनुच्छेद 356 केंद्र शासित प्रदेशों पर लागू नहीं होता है। इसलिए दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए संविधान में भाग 239-एबी के तहत अलग प्रावधान है। दिल्ली में पिछली बार राष्ट्रपति शासन फरवरी 2014 में लगाया गया था। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में लोकपाल बिल पेश ना कर पाने की वजह से अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन वो अलग परिस्थिति थी। इस बार केंद्र ने ऐसा किया, तो इसे राजनीतिक कारणों से उठाया गया कदम माना जाएगा। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र पांच महीने का और सब्र दिखाए।

देश और देशवासियों की चिंता करने वाला कौन?

ओमप्रकाश मेहता

भारत की राजनीति के मौजूदा स्तर को देखकर आज देश का हर दुद्धिजीवी जागरूक नागरिक हैरान और परेशान है, क्योंकि यहां पक्ष और विपक्ष दोनों ही स्तर के राजनेता देश की नहीं, अपनी राजनीति में व्यस्त है, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता, जहां मोदी जी के शासन के दशक के जश्न के नशे में खोए है, जो प्रतिपक्ष के नेता विदेशों में जाकर भारत के निंदागान' में व्यस्त है, अब ऐसे में देश और उसके देशवासियों के बारे में चिंता करने वाला कोई नही है, सभी अपनी आत्म प्रशंसा व अपने सुनहरे राजनीतिक भविष्य के रंगीन सपनों में खोए है, जबकि आम देशवासी को अपनी और अपने परिवार की चिंता से ही फुर्सत नही है, अर्थात कुल मिलाकर देश में प्रजातंत्र मात्र एक मीठी औपचारिकता बनकर रह गया है और देश के रहनुमां अपनी मौज मस्ती में उसी प्रजातंत्र का मजाक उड़ा रहे है, आखिर यह स्थिति देश को कहां ले जाकर खड़ा करेगी, अजा न तो सत्तापक्ष अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन कर रहा है और न ही प्रतिपक्ष, आज देश के जागरूक बुद्धिजीवियों के लिए यही सबसे बड़ा चिंता का विषय है। अब दिनों-दिन देश के आम नागरिक के लिए जीवन यापन भी मुश्किल होता जा रहा है, देश आज दो वर्गों में स्पष्ट विभाजित नजर आता है, एक वर्ग वह जो सत्ता व प्रतिपक्ष की राजनीति से जुड़कर शोषक' बना हुआ है, तो दूसरा वर्ग वह जो ईश्वर पर आस्था रख जैसे तैसे अपना जीवन बसर कर रहा है। ज.और जहां तक देश के आधुनिक भाग्यविधाताओं (राजनेताओं) का सवाल है, वे इन्हीं असहाय व लाचार वग्र के नाम पर अपनी राजनीतिक चालें चलकर मौज-मस्ती कर रहे है और उन्हें देश या देशवासियों की कोई चिंता नही है, आजादी की हीरक जयंती हम इसी माहौल में मनाने को मजबूर है। यदि हम हमारे भाग्यविधाताओं (राजनेताओं) की मौजूदा भूमिकाओं की ही बात करें तो ताजा उदाहरण कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी का ताजा अमेरिकी दौरा है, वहां उनके द्वारा दिए गए बयानों से तो ऐसा लगता है कि वे अमेरिका सिर्फ और सिर्फ भारत की बुराईयां ही करने गए है वैसे जहां तक राहुल जी का सवाल है, उनका हमेशा विवादों से ही नाता रहा है, उनके विवादित होने में मैं उनको दोषी इसलिए नही मानता क्योंकि उन्हें राजनीति की वह वास्तविक ट्रेनिंग नही मिल पाई जो मिलना चाहिए न उन्हें यह ट्रेनिंग उनकी दादी इंदिरा जी दे पाई और उनके पिता राजीव गांधी, अब वे जो भी राजनीति कर रहे है, वे अपनी ही सूझबूझ से कर रहे है, जिसमें ऐसी गलतियां होना स्वाभाविक है इसलिए इसके लिए राहुल जी को दोष देना मैं ठीक नही समझता, शायद उनके सत्ता सलाहकार भी अपने अस्तित्व के भविष्य की चिंता के कारण उन्हें सही सलाह नही दे पा रहे है। भारत के राजनीतिक पंडितों का यह भी मानना है कि मोदी जी की राजनीतिक मजबूती का मुख्य स्त्रोत प्रतिपक्ष की कमजोरी ही है, आज जो देश में प्रतिपक्ष नजर आ रहा है, वह अपने मूल दायित्वों को इसलिए ठीक से नही निभा पा रहा है क्योंकि उसे अपने स्वयं के अस्तित्व की भी चिंता है और साथ ही अपने आप पर भरोसा भी नही है, इसी कारण मोदी जी के शासन का एक दशक सफलता पूर्वक पूरा हो गया और यही स्थिति रही हो गृहमंत्री अमित शाह की 2029 की भविष्यवाणी भी सच हो जाएगी पर फिर प्रतिपक्ष कहां होगा, यह कल्पना ही व्यर्थ है? इन्ही सब स्थितियों और कारणों से भारतीय राजनीति और उनकी संभावनाओं की स्थिति डांमाडोल बनी हुई है और इस अस्थिरता के चलते सत्ताधारी लूट सके सो लूट'' की मुद्रा में है तो प्रतिपक्ष उन्हें अदृष्य सहायता करने में व्यस्त है, अब ऐसे में देश और देशवासियों की चिंता करने वाला कौन? सब भगवान भरोसे.. ?

चिकित्सक आंदोलन पर ममता की विरोध की प्रवृति उल्टी पड़ी

योगेंद्र योगी

संघीय ढांचे के तहत बने कानूनों और अदालतों के आदेशों के प्रति अडियल रूख अपनाने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आखिरकार अपने ही लोगों के सामने घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के बाद चले आंदोलन से ममता के तेवर ढीले पड़ गए। ममता ने कल्पना भी नहीं की होगी पश्चिमी बंगाल में यह आंदोलन सरकार की चूलें हिला देगा। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति तीखे तेवर अपनाने वाली ममता इस्तीफा तक देने को तैयार हो गई। ममता के समझ में आ गया कि राजनीतिक द्वेषवश केंद्र सरकार की उपेक्षा की जा सकती है किन्तु प्रदेश की सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के लोगों की नाराजगी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के खिलाफदेश ही नहीं विदेशों में भी आंदोलन हुए। इस घृणित अपराध के विरोध में ममता सरकार की निष्क्रियता के खिलाफपश्चिमी बंगाल के हर वर्ग ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताली चिकित्सकों ने मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशकों को हटाया जाना और कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल के पद से हटाने की मांग की। ममता बनर्जी ने कुछ ही दिनों पहले कहा था कि वो पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को दुर्गा पूजा तक उनके पद पर बनाए रखेंगी। भारी विरोध के बाद आखिरकार गोयल का तबादला करना पड़ा। हड़ताली चिकित्सकों डॉक्टरों का कहना है कि अस्पतालों में उनके सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जाएं। वे मांग कर रहे हैं कि सरकार यह बताए कि 100 करोड़ रुपये का बजट किस प्रकार अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए खर्च किया जाएगा। उन्होंने अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए 'रेफरल सिस्टम ' को सुधारने और भर्ती में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी बात कही। जूनियर डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने और संस्थानों की नीतियों में उनका रिप्रेजेंटेशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि छात्र संघ चुनाव के माध्यम से उनकी आवाज़ को प्रमुखता दी जाए ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। पश्चिमी बंगाल में अराजकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के बाद अराजकतत्वों ने अस्पताल पर हमला कर दिया। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ और मरीजों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। असामाजिक तत्वों ने अपराध के घटना स्थल पर तोडफ़ोड़ की और अपराध के सबूत मिटाने का प्रयास किया। इस मामले में मेडिकल कॉलेज और पुलिस प्रशासन आरोपियों परोक्ष तौर पर आरोपियों के पक्ष में खड़ा नजर आया। दुष्कर्म और हत्या को आत्महत्या का मामला बता कर रफादफा करने का प्रयास किया गया। पुलिस और प्रशासन के पक्षपातपूण रवैये के बाद अदालत के आदेश से मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा गया। इसके बाद हर तरफममता सरकार के खिलाफ विरोध का स्वर बुलंद हुआ। भारी विरोध के बाद ममता को समझ में आ गया कि केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार की खिलाफत करने की तरह इस आंदोलन से नहीं निपटा जा सकता।

पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति विरोध और प्रदर्शन से सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने इसे अपना हथियार बना लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ शायद ही ऐसा कोई मौका हो जब ममता सरकार ने विरोध नहीं किया हो। इसी प्रवृति का परिणाम है कि महिला चिकित्सक की मौत से पनपे आंदोलन को दबाने-कुचलने की कोशिश की गई। राहुल गांधी की ही तरह ममता बनर्जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर मामले में विरोध करती रहीं है। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा और तीस्ता नदी के जल बंटवारे के मुद्दे पर ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार ने बांग्लादेश के साथ बातचीत में पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल नहीं किया है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा। तीन पेज के लेटर में ममता ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार से पूछे बिना इस तरह की एकतरफा बातचीत हमें मंजूर नहीं है। इसी तरह राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फंड जारी करने की मांग को लेकर राज्य विधानसभा परिसर में धरना दिया गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बंगाल के लोगों को योजनाओं से वंचित कर रही है। केंद्र की मोदी सरकार पर ममता बनर्जी ने निशाना साधते हुए कहा कि आप कहते हैं कि बंगाल को पैसा मत दीजिए. तो फिर हमसे पैसे भी मत लीजिये। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में केंद्र ने जीएसटी के लिए बंगाल से 6,80,000 करोड़ रुपये लिये हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने आईपीएस राजीव कुमार के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कहा था कि इस देश में कोई बिग बॉस नहीं है। यहां केवल जनता ही बिग बॉस है। केवल लोकतंत्र ही इस देश का बड़ा मालिक है। यह मेरी जीत नहीं है। यह संविधान की जीत है। यह भारत की जीत है। इसके बावजूद सत्ता के नशे में ममता चिकित्सकों के आंदोलन के मामले में अपना यह बयान भूल गई। सीबीआई ने कोलकाता पुलिस के प्रमुख राजीव कुमार पर सारदा और रोज वैली पोंजी योजनाओं में संभावित अभियुक्त होने का आरोप लगाया था। सीएम ममता बनर्जी ने सीबीआई के विरोध में धरना दिया और वहीं पर कैबिनेट की बैठक की और वहां पुलिस वीरता पुरस्कार भी दिए। उन्होंने अपने धरना को सत्याग्रह बताया। उन्होंने कहा कि वह देश और संविधान को बचाने के लिए धरने पर बैठी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि कमिश्नर राजीव कुमार की कोई गिरफ्तारी नहीं होगी और न ही उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अदालत के गुणगान करने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतिकूल फैसला आने पर अदालतों के विरोध में भी पीछे नहीं रही। ममता बनर्जी ने 2016 की शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को अवैध माना। उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली के दौरान ममता ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के नेता न्यायपालिका और निर्णयों के एक हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी भर्तियों को रद्द करने का न्यायालय का फैसला अवैध है। हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाए। उन्होंने दावा किया, ऽमैं किसी जज का नाम नहीं लूंगी, लेकिन मैं फैसले के बारे में बात कर रही हूं।

इसी तरह ओबीसी आरक्षण कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के बाद ममता टिप्पणी करने से बाज नहीं आई। पश्चिम बंगाल में 37 वर्गों को दिए गए ओबीसी (अन्य पिछड़े वर्ग) आरक्षण कलकत्ता हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। इस पर सीएम ममता बनर्जी बगावत पर उतर आईं। सीएम बनर्जी अदालत के फैसले को मानने को ही तैयार नहीं हुई। उन्होंने कहा है कि ओबीसी दर्जा रद्द करने और ओबीसी सर्टिफिक्रेट रद्द करने का अदालत का फैसला उनको स्वीकार्य नहीं है। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति पूर्वाग्रह का नजरिया रखने वाली पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विरोध की यह प्रवृत्ति चिकित्सकों के आंदोलन में काम नहीं आ सकी। मुख्यमंत्री ममता शायद भूल गई कि यह मुद्दा राजनीतिक नहीं बल्कि प्रदेश के लोगों से जुड़ा हुआ है। इससे निपटने के तौर-तरीके अलग हैं। यदि लोगों की आवाज नहीं सुनी जाएगी तो जिस बूते केंद्र और अदालतों का विरोध किया जा रहा है, वह नींव खिसक जाएगी।

सड़क यात्रा जोखिम भरी, रोज 432 मौतें

भारत में औसतन हर घंटे 53 सड़क हादसे होते हैं और उनमें 18 लोगों की जान जाती है- यानी रोज 432 मौतें। कुल जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें 45 प्रतिशत में दो पहिया वाहन शामिल रहते हैं। भारत में सड़क यात्रा जोखिम भरी है, यह कोई रहस्य नहीं है। हर साल आने वाले आंकड़े इस बारे में चिंता बढ़ाते हैं, लेकिन उन आंकड़ों की चर्चा थमते ही सब कुछ जैसे को तैसा चलता रहता है। इसलिए परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के इस बारे में चिंता जताने से भी सूरत बदलेगी, इसकी आशा शायद ही किसी को होगी। भारत की छवि आज यह है कि यहां ऑटो उद्योग का तेजी से विकास हुआ है, लेकिन साथ ही भारत उन देशों में बना हुआ है, जहां सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें होती है। गडकरी भारतीय ऑटोमोबिल निर्माता संघ के वार्षिक सम्मेलन में गए, तो वहां उन्होंने कंपनियों के कर्ता-धर्ताओं को अपनी चिंता बताई। जिक्र किया कि भारत में औसतन हर घंटे 53 सड़क हादसे होते हैं और 18 लोगों की जान जाती है- यानी रोज 432 मौतें। गडकरी ने बताया कि कुल जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें 45 प्रतिशत में दो पहिया वाहन शामिल रहते हैं। उनके अलावा पैदल चलने वाले लोग लगभग 20 प्रतिशत दुर्घटनाओं के शिकार बनते हैं। यानी मौतों के मामले में देखें, तो निम्न मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोग इनकी चपेट में ज्यादा आते हैं। उन मौतों के बाद पीड़ित परिवारों पर क्या गुजरती है, यह एक अलग दुखद दास्तां है। लेकिन समाधान क्या है? गडकरी ने कंपनी अधिकारियों से कहा कि उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग सिखाने वाले स्कूल अधिक से अधिक संख्या में खोलने चाहिए। जाहिर है, यह एक सदिच्छा ही है। वैसे हादसों का एक बड़ा कारण सड़कों का असुरक्षित निर्माण भी है। स्पष्टतः इसकी जवाबदेही सरकार पर आती है। गडकरी ने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार पहल कर रही है। लेकिन वो पहल कम जमीन पर उतरेगी और कब उसके सकारात्मक लाभ दिखेंगे, इस बारे में परिवहन मंत्री चुप ही रहे। यही समस्या है। गंभीर मसलों के लिए दूसरों की जिम्मेदारी का जिक्र हमारी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। जब बात अपने दायित्व पर आती है, अक्सर अधिकारी सामान्य बातें कह कर निकल जाते हैं। जब तक इससे उबरा नहीं जाता, भारत की सड़कें इसी तरह जानलेवा बनी रहेंगी।

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

रमेश सर्राफ धमोरा

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। विश्व पर्यटन दिवस 2024 की थीम पर्यटन और शांति है। इस थीम का उद्देश्य है कि पर्यटन समुदायों को बदल सकता है। रोजगार पैदा कर सकता है। समावेश को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई जा रही है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगाार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा धारी व्यक्तियों के पर्यटक सूचना केंद्रों, ट्रैवल एजेंसी, होटल समूहो, विभिन्न हवाई कंपनियों के कार्यालयों टूर ऑपरेटर कंपनियों पर्यटन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं, पर्यटक गाइड आदि में क्षेत्रों में काम करने का मौका अपेक्षाकृत आसानी से मिल सकता है। इस क्षेत्र में महिला कर्मियों की मांग भी तेजी से बढ़ने की पूरी संभावना है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा डिग्री धारी महिलाओं को विशेष रूप से उन पदों पर नियुक्ति के समय वरीयता दी जाती है जहां स्वागत करना या सूचना उपलब्ध कराने जैसे काम होते हैं। इसके पीछे तर्क दिया जाता है कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कहीं अधिक सौम्य व मृदुभाषी होती है। वे नवागंतुक पर्यटक को आसानी से बातें समझा सकती है। टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करने के अवसर इस क्षेत्र में संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक कहे जा सकते हैं। कुछ वर्षों तक पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का अनुभव हासिल करने के बाद पर्यटन प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के पर्यटन शिक्षा में अध्यापन भी किया जा सकता है।

देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दो वर्ष की अवधि वाले इन पाठ्यक्रमों में दाखिला पाने की मारामारी को देखते हुए लगभग प्रत्येक संस्थान प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला देता है। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है।

असल में पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास दो चार बस या कार हो। आप ट्रैवल एजेंट के तौर पर बुकिंग कर अन्य बस आपरेटरों से बस किराए पर लेकर भी टूर आयोजित करवा सकते हैं और अच्छा खासा कमीशन कमा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है।

अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है।

आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिक्रेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है। भारत में यह अभी भी 6.23 प्रतिशत ही है। जबकि पड़ोसी देशों चीन (8.6), इण्डोनेशिया (9.2), मलेशिया (12.9), श्रीलंका (8.8) तथा थाइलैण्ड (13.9) है जो हमसे बहुत अधिक है।

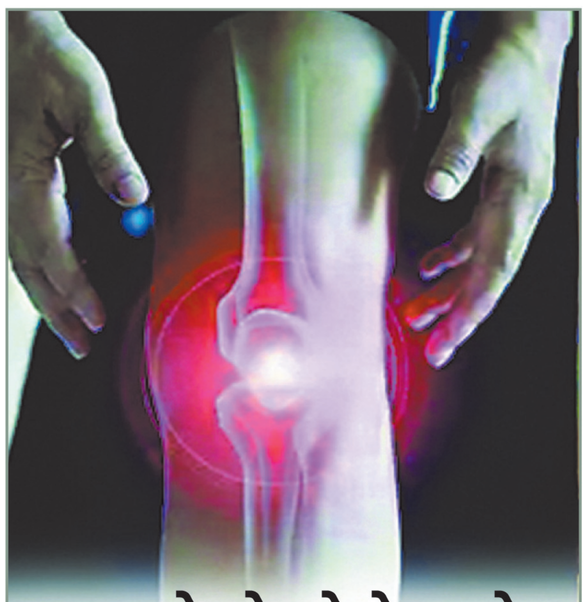

घुटनों में होने वाले दर्द के लिए ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

किडनी की पथरी एक आम समस्या है, जो किसी को भी हो सकती है।महिलाओं की तुलना में पुरुषों को किडनी की पथरी का अधिक खतरा होता है और लगभग आधे लोगों को 10 से 15 साल के भीतर दोबारा पथरी हो सकती है। यह एक दर्दनाक स्थिति है, जो आपका सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित कर सकती है।

आपका सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित कर सकती है किडनी की पथरी

किडनी में पथरी क्यों बनती है किडनी की पथरी तब बनती है जब कैल्शियम, ऑक्सालेट और यूरिक एसिड जैसे अपशिष्ट पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल पाते और क्रिस्टल यानी छोटी-छोटी पथरी का रूप ले लेते हैं। समय के साथ यह बड़े होते रहते हैं। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, कई बार छोटी पथरी पेशाब के जरिए बाहर निकल जाती हैं लेकिन कई बार वो पेशाब के रास्ते में अटक सकती हैं, जिससे मरीज को पेशाब के दौरान जलन, गंभीर दर्द, पेट और पीठ के बीच शरीर के एक तरफ गंभीर दर्द, पेशाब में खून, मतली और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

किडनी की पथरी को कैसे निकाले

किडनी की पथरी निकलने में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं और यह पथरी के आकार और संख्या पर निर्भर करता है। इसके लिए कई दवाएं और उपचार मौजूद हैं। कई बार पथरी निकालने के लिए ऑपरेशन की भी जरूरत पड़ सकती है। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, कुछ आसान घरेलू उपायों के जरिए किडनी की पथरी को निकालने या इससे बचने में मदद मिल सकती है।

कैल्शियम वाली चीजें ज्यादा खाएं

आपको कैल्शियम वाली चीजों का सेवन बढ़ा देना चाहिए। दही, सोया उत्पाद, बीन्स, दाल और बीज कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। कैल्शियम ऑक्सालेट

को आंतों में बांधने का काम करता है और उसे ज्यादा अवशोषित नहीं होने देता जिससे पेशाब में इसकी मात्रा कम हो जाती है।

खूब पानी पिएं

जो लोग प्रतिदिन 2 से 2.5 लीटर पेशाब करते हैं, उन्हें किडनी की पथरी विकसित होने की संभावना कम थी। इतना पेशाब करने के लिए आपको प्रतिदिन लगभग लगभग 2 लीटर पानी पीना चाहिए।

सोडियम का रखें ध्यान

सोडियम से भरपूर चीजें किडनी की पथरी बनने की आशंका होती है। इसका कारण यह है कि सोडियम आपके पेशाब में कैल्शियम की मात्रा को बढ़ाता है। आपको रोजाना 2,300 मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करना चाहिए। मांस, अंडे और सीफूड से मिलने वाले प्रोटीन को एनिमल प्रोटीन कहा जाता है। इन्हें खाने से पथरी बनने का खतरा बढ़ सकता है।

पथरी का दुश्मन है नींबू

पथरी से बचने के लिए आपको नींबू का रस पीना चाहिए। इसमें मौजूद साइट्रेट या साइट्रिक एसिड से कैल्शियम को बांधने और पथरी बनने से रोकने में मदद मिलती है। रोजाना आधा कप नींबू का रस पानी में घोकर पीना चाहिए। दो नींबू का रस पीने से यूरिन साइट्रेट बढ़ सकता है और किडनी की पथरी का खतरा कम हो सकता है।

मुंह के छालों से छुटकारा पाने के लिए जरूर अपनाएं ये घरेलू उपाय

पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं। पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते है।

छालो से बचाव के उपाय

खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।

- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

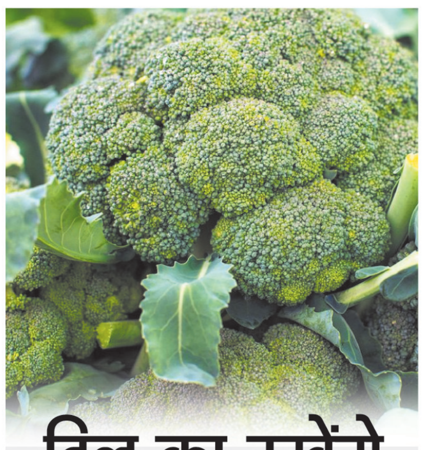

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लेकेनहोर्स्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

हलवा देता है पौष्टिक फायदे

- सूजी का हलवा बना रहे हैं तो सूजी के दाने थोड़े मोटे ही लें, एकदम बारीक नहीं। यह पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता है।
- अगर आटे का हलवा बना रहे हैं तो ध्यान रखें कि आटा जरा मोटा पिसा हुआ हो, ये चिपकेगा नहीं और स्वाए व पाचन दोनों के लिए अच्छा रहेगा।
- अगर नुकसान से बचना चाहते हैं, तो डालडा या बाजार के घी के बजाए देसी घी या गाय के शुद्ध घी का प्रयोग करें। देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है।
- हलवे को सूर्योदय के पहले उठकर मुंह धोकर पकाते हुए तुरंत गर्मा-गरम खाना चाहिए।
- हलवा ठंडा करके न खाएं, इसे गर्मागर्म ही परोसें ताकि सिरदर्द या न्यूरो वेस्कुलर डिसआर्डर जैसी समस्याओं में फायदा मिल सके।
- हलवा खाने के तुरंत या कुछ देर बाद तक भी ठंडा पानी न पिएं, वरना आप इसके फायदों को नहीं पा सकेंगे। आधे घंटे बाद ही पानी पिएं।
- हलवा पचने में बहुत हल्का होता है, इसलिए इसे सर्जरी के बाद, प्रसव के बाद, कमजोरी में, बीमारी से उबरने में और कम वजन वाले लोगों को भी दिया जा सकता है।
- हलवे में केसर, इलायची और थोड़े से सूखे मेवों का प्रयोग किया जा सकता है।
- देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है और हमें स्वस्थ बनाता है।
- शकर की जगह गुड़ का प्रयोग करेंगे, तो स्वाद और सेहत दोनों के फायदे पा सकेंगे। अगर आपको शकर ही डालना है, तो ब्राउन शुगर भी यूज कर सकते हैं।

नोट : मधुमेह रोगियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

कमर दर्द से छूटकारा पाने के लिए जरूर अपनाए ये घरेलू उपाय

आजकल ज्यादातर लोगों में कमर दर्द की समस्या बढ़ती जा रही है जिसकी चपेट में बड़ी उम्र के लोग ही नहीं, बल्कि युवा के लोग भी आ रहे है। कमर दर्द के होने का मुख्य कारण बदलती जीवनशैली के साथ ऑफिस में घंटों गलत पॉश्चर बैठे रहना है। यह समस्या अब न केवल उम्र से जुड़ी है बल्कि इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी तकलीफदेह साबित हो रही है।

कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार करते है लेकिन इसका प्रभाव मात्र कुछ समय के लिए ही रहता है। आइए आज हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बता रहे है जिसे अपनाने से जल्दी ही छुटकारा पा सकती है।

कमर दर्दकमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप एक खडाई में सरसो का तेल डालकर उसमें लहसुन की तीन-चार कलियॉ के साथ अजवाइन को डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें। इस उपाय से आपको जल्द ही राहत मिलेगी। कढ़ाई में दो-तीन चम्मच नमक डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर लें। अब इस गर्म नमक को किसी सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। और इस पोटली से कमर की सिकाई करें काफी जल्द ही आराम मिलने लगेगा।

ऑफिस में काम करते समय ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में ना। हर चालीस मिनट में अपनी कुर्सी से उठकर थोड़ी देर टहल लें। कैल्शियम की कम मात्रा से भी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जो कमर के दर्द का प्रमुख कारण बनती है इसलिए कैल्शियमयुक्त चीजों का सेवन करें। अजवाइन को तवे पर डालकर धीमी आंच पर सेंके और ठंडा होने पर धीरे-धीरे चबाते हुए निगल जाएं। इसके नियमित सेवन से कमर दर्द में लाभ मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

बसना महाविद्यालय में 'जॉब इंटरव्यू का आयोजन

महासमुंद (समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय बसना में प्राचार्य डॉ. एस. के. साव के मार्गदर्शन एवं अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक विजय कुमार कठाने के सहयोग से एस. बी.आई. लाइफइंश्योरेंस शाखा सरायपाली द्वारा जॉब इंटरव्यू का आयोजन किया गया। एस. बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस शाखा सरायपाली द्वारा 2 पद फील्ड वर्कर तथा 1 पद ऑफिस वर्कर के लिए साक्षात्कार का आयोजन बसना महाविद्यालय में किया गया था। जिसमें अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम योग्यता किसी भी संकाय में स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य था। इस जॉब के लिए बसना और सरायपाली तहसील के कई अभ्यर्थी शामिल हुए। एस. बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस शाखा सरायपाली के शाखा प्रबंधक ज्योति शंकर पाणिग्राही एवं डेवलोपमेन्ट मैनेजर आयुष सोनी ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया।

सरायपाली में छग शिक्षक रत्न सम्मान समारोह का आयोजन 29 को

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ लोक हरित सृजन धारा सेवा समिति के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ शिक्षक रत्न सम्मान समारोह 2024 का आयोजन 29 सितंबर को सरायपाली में रखा गया है। इस समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न अंचलों में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि महासमुंद लोकसभा सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी होंगी। समारोह की अध्यक्षता बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महासमुंद जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल, सरायपाली जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुमारी भास्कर एवं सरायपाली नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र कुमार पटेल होंगे। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए समिति के प्रदेश अध्यक्ष भागवत प्रसाद साहू ने बताया कि हमारी समिति पर्यावरण, कला, संस्कृति एवं साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य करती है। फुलझर अंचल में पहली बार प्रदेश स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। समारोह प्रातः 10:00 बजे प्रारंभ होगा। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में भागवत साहू, कलेश्वर साहू, डीजेंद्र कुर्रे, रोहित शर्मा, प्रेमचंद साव, निर्मला साहू, धात्री नायक, कल्पना भोई, वेद पटेल, कमलेश साहू, प्रहलाद साहू, मनोज कैवर्त, सुनीता साहू, मनोज साहू आदि तैयारी में जुटे हैं।

एमेजॉन इंडिया ने श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत वह एनसीएस पोर्टल पर नौकरी के अवसरों को पोस्ट करेगा

नईदिल्ली। एमेजॉन इंडिया ने आज घोषणा करी कि उसने श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसके तहत एमेजॉन और उसके स्टाफिंग एजेंसियों में उपलब्ध नौकरी के अवसरों को पोस्ट करने के लिए मंत्रालय के नेशनल कैरियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे भारत भर में नौकरी चाहने वालों को नौकरी के अवसर देखने में मदद मिलेगी और एमेजॉन इंडिया और इसकी स्टाफिंग एजेंसियों को नौकरियों के अवसर को पोस्ट करने की और एनसीएस पोर्टल से सही उम्मीदवारों को चुनने में भी मदद मिलेगी। एनसीएस पोर्टल पर पंजीकृत नौकरी चाहने वाले एमेजॉन पर उपलब्ध बेहतर अवसरों को आसानी से खोज कर आवेदन कर सकेगे। एमेजॉन श्रम और रोजगार मंत्रालय के एनसीएस पोर्टल के साथ सहयोग करने वाली पहली ई-कॉमर्स कंपनी है। इस साझेदारी का मकसद इच्छुक व्यक्तियों को उनके कौशल और योग्यता के हिसाब से करियर संभावनाओं से जोड़ना है। एनसीएस पोर्टल पर पंजीकृत नौकरी चाहने वाले एमेजॉन के कॉर्पोरेट कार्यालयों और ऑपरेशन नेटवर्क में तरह- तरह की नौकरियों का पता लगा कर उनके कौशल और आकांक्षाओं से मेल खाती नौकरी के लिए आवेदन कर सकेगे।

भ्रष्टाचार का दलदल बर्जेस स्कूल, 7 करोड़ का मामला

बिलासपुर (समय दर्शन)। एक समय समाज में शिक्षा स्वास्थ्य सेवा की पर्याय बन गई ईसाई संस्थाएं अब भ्रष्टाचार के दलदल में समाती नजर आ रही है। बिलासपुर के शेफर्ड स्कूल और समिति पर करोड़ों का गबन का मामला जांच समिति ने पाया और अब इसी तरीके का प्रकरण शहर के बहुचर्चित बर्जेस स्कूल इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल का बाहर आया है। शिकायतकर्ता ने कहा 64733907 रुपया की चुकाने का दायित्व स्कूल पर है। संबंधित विभाग से हर महीने 10 लाख रुपए भुगतान करने का समझौता हुआ पर 4 माह से यह राशि अर्थात 40 लाख रुपए नहीं का गए इतना ही नहीं स्कूल ने बगैर पूरी प्रक्रिया के फीस बढ़ाई, निजी पब्लिशर की बुक लेने को बाध्य किया, एनसीआरटी को बाहर किया, आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं के लिए चलाए जा रहे हॉस्टल को बंद कर दिया, यूनिफॉर्म में भी कमीशन की लालच में बदलाव की शिकायत है। इन सब मुद्दों पर जब साल की प्राचार्य से चर्चा करनी चाहिए गई तो उन्होंने स्वयं को प्रभारी बताते हुए स्कूल का पक्ष रखने

से इनकार कर दिया, पर आरोपो के संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा शिकायत प्राप्त हुई है। जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है जांच चल रहा है। वहीं जिला प्रशासन के एक जिम्मेदार अधिकारी ने भी माना की स्कूल के संचालन में करोड़ों का घपला है और यह वित्तीय गड़बड़ी 2015 से जारी है।

गौरतलब है कि इन दिनों इस समाज की विभिन्न संस्थाओं अस्पताल, स्कूल, चर्च की संस्थाओं के बीच जमकर कोर्ट कचहरी चल रही है। हर संस्था और उसका पदाधिकारी स्वयं को असल और दूसरे को चोर घोषित कर रहा है। चर्च जहां पहले बाइबल की पंक्तियां लिखी दिखती थी अब कोर्ट के नोटिस चुपके दिखते हैं। पहले मिशन अस्पताल का लीज निरस्त हुआ फिर क्राइस्ट मिशन इन इंडिया (ष्ह्रद्ब) पर प्रशासक नियुक्त हुआ और साथ ही कब्रिस्तान की रजिस्ट्री निरस्त करने प्रक्रिया प्रारंभ हुई और बर्जेस स्कूल भ्रष्टाचार के दलदल में हंसना नजर आ रहा है। ऐसे में रविवार का चर्च शांति प्रार्थना के स्थान पर आरोप प्रत्यारोप का मैदान बन जाता है।

राम रसोई भोजन वितरण व्यवस्था की सीएम साय ने की तारीफ

राजस्थानी गौड ब्राह्मण समाज ने किया स्वागत- अभिनंदन

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शुक्रवार को दुर्ग पहुंचे। उन्होने नगर निगम द्वारा मठपारा वार्ड क्रं-3 स्थित कबड्डी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में करीब 22 करोड़ रुपए से अधिक राशि के विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखकर दुर्ग शहरवासियों को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। इसके पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने चंडी मंदिर में राधाकृष्ण मंदिर समिति महेश नगर द्वारा संचालित राम रसोई

भोजन वितरण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। राम रसोई के माध्यम से जरुरतमंदो को मात्र 20 रुपए में पिछले लंबे समय से भरपेट भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। राम रसोई भोजन वितरण की व्यवस्था देखकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा संचालन समिति के कार्यों की सराहना की गई और उन्हें धन्यवाद दिया गया। इस दौरान राम रसोई के संचालन समिति प्रमुख चतुर्भुज राठी,सुरेन्द्र शर्मा, अजय शर्मा के अलावा राजस्थानी गौड ब्राह्मण समाज के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्वागत कर शाल-श्रीफल से उनका सम्मान किया गया। इस दौरान दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव व अन्य जन प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

बलौदा कॉलेज के रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा रैली व सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया

बलौदा(समय दर्शन)। डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय बलौदा में संचालित रासेयो इकाई द्वारा डॉ. मालती तिवारी रासेयो जिला संगठक के मार्गदर्शन एवं प्राचार्य अनिता पटेल के दिशा निर्देश तथा कमला बाई दीवान रासेयो कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत ग्राम पंचायत बलौदा के सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें महाविद्यालय परिसर, बाजार स्थल , सेन्ट्रल बैक ऑफ़ इंडिया, स्वास्थ्य केंद्र व सरस्वती शिशु मंदिर के

परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया । साथ ही रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के महत्व को बताते हुए उन्हें जागरूक किया गया. कार्यक्रम में किशन नंद, जीतू साहू, धर्मेन्द्र भोई, निराकार साहू, सोमेश साव, कौशल चौधरी, पुष्पा डडसेना, प्रीति साहू, किरण सोना, यशोदा साव, कविता रौतिया, जूली साव, भूपेन, योगिता प्रधान, नीतू डडसेना, चन्द्रिका, सागर चौधरी, भुलेश्वरी आदि स्वयंसेवकों द्वारा विशेष कार्य किया जा रहा है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी करुणा सागर जाल ने दी।

छात्रों ने कौशल विकास यात्रा का किया भव्य स्वागत, आयोजित की गई सेमीनार

महासमुंद(समय दर्शन)। छात्र हित में आईसेक्ट ने एक अनूठी पहल की है. आईसेक्ट द्वारा छात्रों में नई शिक्षा नीति के प्रति जागरुकता लाने एवं कैरियर काउंसलिंग के उद्देश्य से देशव्यापी कौशल विकास यात्रा 9 सितंबर से शुरू की गई है जो 25 राज्यों के 300 जिलों में संचालित की जा रही. यह यात्रा 26 सितम्बर को बसना पहुंची, जहां छात्रों ने इस कौशल विकास यात्रा का भव्य स्वागत किया.

शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बसना के प्राचार्य एन.के. पंडा के विशेष सहयोग से विद्यालय में सेमीनार आयोजित की गई. सेमीनार में यात्रा में आए ए. मसीद सर ने छात्रों को कौशल विकास का महत्त्व बताते हुए छात्रों से कहा की स्वयं को उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप कौशल युक्त बनाएं. इसके साथ ही कौशल विकास से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं जैसे पीएमकेवीवाय, एनयूएलएम सहित अन्य योजनाओं की जानकारी भी छात्रों को दी गई. छात्र-छात्रों ने कई सवाल भी पूछे जिसका मसीद सर ने जवाब दिया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया.

गौरतलब है की आईसेक्ट संस्था कौशल विकास और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विगत 37 वर्षों से छात्र हित में निरंतर कार्य कर रही है. आईसेक्ट युवाओं को कौशल विकसित करने के महत्व को समझाने के लिए एक अनूठा प्रयास कर रहा है. जिसे विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा पुरस्कृत भी किया जा चूका है.

कार्यक्रम के दौरान कौशल विकास यात्रा में आए मसीद सर, आईसेक्ट कंप्यूटर सेंटर बसना के डायरेक्टर पी.एल. पटेल सर, प्राचार्य एन.के. पंडा, आइसेक्ट कंप्यूटर बसना के स्टाफ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सदस्यता महाभियान में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा शामिल हुए

कवर्धा (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी संगठन के विस्तार के दृष्टि से प्रत्येक 10 वर्षो में सदस्यता अभियान कर नए लोगो को पार्टी के विचारधारा से व पार्टी से जोड़ते हैं। वही पुराने सदस्य भी अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करते है। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश मे सदस्यता महाअभियान का आयोजन किया है। आज पूरे देश मे बूथ स्तर के कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय स्तर व प्रदेश स्तर के पदाधिकारी मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और अन्य सभी जन प्रतिनिधि, पार्टी के वरिष्ठत नेता गण अपने अपने बूथों पर सदस्यता अभियान में शामिल होंगे और नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलायेंगे।

इसी तारतम्य में स्थानीय विधायक एवं छग शासन में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने बूथ क्रमांक 234 पर जाकर सदस्यता अभियान में भाग लिया। उन्होंने शहर के विभिन वार्डो में बूथ पर जाकर नए सदस्यों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर काँग्रेस पार्षद प्रमोद लुनिया ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के समक्ष भाजपा की सदस्यता ली। श्री शर्मा ने शहर के गणमान्य नागरिक सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता व आम जन जो पार्टी से जुड़ना चाहते है उनको सदस्यता दिलाकर सदस्यता महाभियान में

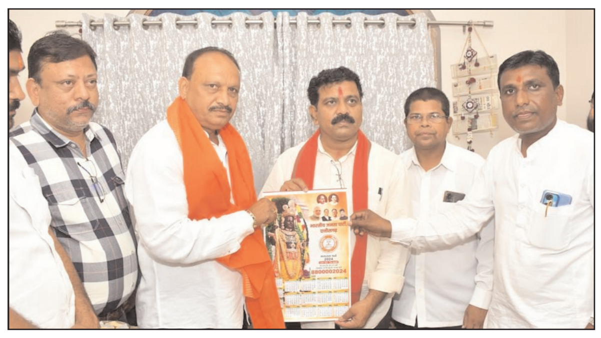

भाग लिया।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक साहू, उपाध्यक्ष जसविंदर बग्गा, वीरेंद्र साहू, कैलाश चंद्रवंशी, नपा अध्यक्ष मनहरण कौशिक, शहर मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, राजा टाटिया, श्रीकान्त उपाध्याय, पीयूष सिंह, जसवंत छाबड़ा, मनोज शर्मा, जितेंद्र पांडे, मनीराम साहू, खिलेश्वर साहू, सचिन अग्रवाल, सुनील दोषी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है - दिनेश चंद्रवंशी

कवर्धा (समय दर्शन)। ग्राम अमलीडीह में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम और स्वच्छता ही सेवा 2024 का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर गुरुवार को जनपद पंचायत कवर्धा के ग्राम अमलीडीह में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश चंद्रवंशी (अध्यक्ष प्र. जनपद पंचायत कवर्धा) अध्यक्षता अतिथि संतोष पटेल (पू. अध्यक्ष जिला पंचायत कबीरधाम) थे। इस अवसर पर अपने उदबोधन में श्री चंद्रवंशी ने कहा कि हम सभी का यह दायित्व है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प ,आवाहन को पूर्ण करते हुए हम सभी इस महा अभियान में सहभागी बने।

अपनी जननी माता मातृभूमि को समर्पित कर एक पौधा जरूर लगाए और उसकी देखभाल करें इसी क्रम में संतोष पटेल ने भी सभी से आग्रह किया कि आप सभी स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024 को सफल बनाने हेतु अपनी-अपनी परिवेश को साफसुथरा व स्वच्छ रखें। विकसित भारत के संकल्प में सहभागी बने एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं और अपने वातावरण को स्वच्छ और संरक्षित रखें। मोदी के अभियान में सभी नागरिकों को सम्मिलित होने हेतु अपील किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कवर्धा शैलेश कुमार भगत, रामप्रसाद चंद्रवंशी सरपंच कान्हाभैरा ग्राम पंचायत सरपंच यशवंत सिंह राजपूत उप सरपंच पंच एवं नागरिक दोनों उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने चण्डी मंदिर में पूजा अर्चना की

दुर्ग (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज नगर पालिक निगम दुर्ग अंतर्गत विकास कार्यों के भूमिपूजन के पहले दुर्ग के प्राचीन चण्डी मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश वासियों के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव, दुर्ग शहर विधायक श्री गजेन्द्र यादव, पूर्व विधायक श्री लाभचंद बाफना, आयुक्त श्री एस.एन. राठौर, कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, एसपी श्री जितेन्द्र शुक्ला भी मौजूद थे।

नैतिक शिक्षा से ही मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास होगा-भगवान भाई

सरायपाली (समय दर्शन)। समाज देश और विश्व की स्थिति को हम देख रहे है भौतिक विकास तेजी से हो रहा है । भौतिक विकास से समाज विकसित नहीं होता बल्कि नैतिक शिक्षा से मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक विकास होगा ।उन्होंने कहा कि शिक्षा एक बीज है और जीवन एक वृक्ष हैं जब तक हमारे जीवन रूपी वृक्ष को नम्रता ,धैर्यता ,भाईचारा ,आपसी स्नेह, सत्यता इमानदारी आदि सद्गुण रूपी फल नहीं आते तब तक हमारी शिक्षा अधूरी है। नैतिकता से हमारे व्यवहार संस्कार में निखार आता है। उक्त उदगार माउंट आबू से ब्रह्माकुमारी के पधारे हुए बी के भगवान भाई जी ने कहे सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

में नैतिक शिक्षा का महत्व विषय पर कार्यक्रम में बोल रहे थे ।

कुसंग, व्यसन, सिनेमा और फैशन से आज की युवा पीढ़ी भटक रही है जिससे वर्तमान समय अपराध बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नैतिक शिक्षा और आध्यात्मिकता से ही युवा पीढ़ी को सही दिशा मिल सकती है ।नैतिक शिक्षा से ही मानवीय मन में रचनात्मक और सकारात्मक चेतना का विकास होता है ।

भगवान भाई ने कहा कि नैतिक शिक्षा से समाज मैं फैली हुई ईर्ष्या घृणा नफरत वैर विरोध और अहंकार को नष्ट किया जा सकता है ।संस्कारित शिक्षा की कमी ही वर्तमान समय अपराधों के मुल कारण है ।उन्होंने कहा कि हम विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन समाज में फैली हुई दुर्भावना और हिंसा चिंता का विषय है ।

बी के अहिल्या बहन जी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में सामना कर तनावमुक्त बनने के नैतिक शिक्षा की जरूरत है अपराध मुक्त बनने के लिए आत्मानुभूति की आवश्यकता है ।

बी के योगेश्वरी बहन जी ने ब्रह्माकुमारी संस्था का परिचय दिया ।

प्रिंसिपल कामता प्रसाद जी ने कहा कि नैतिक शिक्षा की कमी के कारण मानसिक बीमारियां , शरीर की अनेक बिमारिया हो जाती है जीवन में रूखापन आता है ।उन्होंने कहा नैतिक शिक्षा से बच्चो में संस्कार आते है । कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बिहारीलाल अग्रवाल, आचार्य त्रिलोकचंदकर, प्रिंसिपल रमेश , अमृतलाल मिश्रा भी उपस्थित थे भी उपस्थित थे । कार्यक्रम के अंत में बी के भगवान भाई जी ने मन को एकाग्र करने हेतु राजयोग मेडिटेशन कराया ।

छत्तीसगढ़ में मोदी के गारंटी से सरकार तो बन गई लेकिन समस्या जस का तस,4 सूत्रीय मांग को लेकर पुनः कर्मचारी अधिकारी हड़ताल पर

गरियाबंद (समय दर्शन)। बडे बडे वादे करके छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार तो बन गई लेकिन जिल वादो के बलबुते जहा छत्तीसगढ में भाजपा की सरकार बन रहा है से ना ही मीडिया और ना ही आमजनता कोई भी आश्वस्त था वहा मोदी की गारंटी ने कर्मचारी अधिकारी के मन में अपनी विगत विभिन्न लंबित मांगो को पूरा करने का घोषणा नही संकल्प पत्र से पुनः एक बार भाजपा की सरकार को पूर्ण बहुमत के साथ राज्य मे लाया है वही मोदी की गारंटी एक जुमला बनते जा रहा है।बीजेपी के घोषणा पत्र अनुसार कर्मचारी अधिकारी हितैषी अनेकानेक ऐसे वादे शामिल है जो कर्मचारी हितो को लेकर तैयार किया गया है लेकिन सरकार बनने के बाद इनही कर्मचारी अधिकारियों को डी.ए.एरियर्स के लिये आवाज बुलंद करना पड़ रहा है जो छत्तीसगढ़ राज्य के लिये दुर्भाग्य जनक व पीड़ादायक है जब डी.ए व पूर्व एरियर्स के भुगतान के लिये कर्मचारियों को आंदोलन करना पड़ रहा है तो मोदी की गारंटी नही संकल्प पत्र में शामिल अनेक लोक लुभावने वादो का क्या होगा जो एक प्रश्न चिन्ह भाजपा की इस सरकार पर उठ रहा है।

छत्तीसगढ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक प्रदीप कुमार वर्मा एवं महासचिव बसंत त्रिवेदी ने बताया कि छत्तीसगढ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान प्रमुख चार सूत्रीय मांग

में केंद्र के सामान महंगाई भत्ता एवं देय तिथि से लंबित एरियर्स,चार स्तरीय वेतनमान,केंद्र के सामान गृह भाड़ा भत्ता एवं 240 दिन के स्थान पर 300 दिन अर्जित अवकाश नगदीकरण को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है।ये ऐसे मांग है जो पूर्व कांग्रेस की सरकार से किया जाता रहा है जिसको तात्कालिक कांग्रेस सरकार द्वारा अपने अभिमान के कारण हमेशा अनसुना किया जाता रहा है जिसका परिणाम सामने है आज पुनः वही स्थिति वर्तमान भाजपा की सरकार का है जो सत्ता में आने के लगभग 1 वर्ष पूर्णता की ओर अग्रसर है लेकिन कर्मचारी अधिकारियों की स्थिति वैसी ही बनी हुई है जैसे पहले थी।चरणबद्ध आंदोलन प्रथम चरण में मांगो को लेकर भोजन अवकाश मे प्रदर्शन द्वितीय चरण में काली पट्टी के साथ मांग संबंधी सूचना व तृतीय चरण में मशाल रैली निकाल कर अपनी चार सूत्रीय मांगो को लेकर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर ज्ञापन सौपते हुए मांगो से राज्य सरकार को अवगत कराया गया।लेकिन मांगो को पूर्ण नही किये जाने की स्थिति में आदोंलन के चतुर्थ चरण में 26.सितम्बर 2024 को जिला मुख्यालय में महारैली निकाल कर जिलाधीश गरियाबंद को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा जाना नियत किया गया है।विभिन्न विभागों मे कार्यरत समस्त कर्मचारी अधिकारी अपनी जायज मांगो को लेकर लगातार राज्य सरकार से मांग करते आ रही है। लेकिन सरकार द्वारा सभी मांगो पर मौन चुप्पी साधे हुए कर्मचारी अधिकारियों के धैर्य की परीक्षा लिया जा रहा है।सरकार निरकुश सा व्यवहार कर रही है जिससे कर्मचारियो अधिकारियो मे काफी रोष व्याप्त है। चरणबद्ध आदोंलन के चतुर्थ चरण में जिला मुख्यालयो में विभिन्न संघठनो के जिला पदाधिकारी समस्त सदस्यगण 1 दिवसीय अवकाश लेकर भारी संख्या में जिला मुख्यालयो मे इकट्ठा हुए एवं महारैली के माध्यम से जिला कलेकटर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम ज्ञापन सौपा गया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी स्टॉर्म सीरीज के स्पेशल एडिशन किए लॉन्च

नईदिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी एमजी हेक्टर के स्पेशल एडिशन स्नोस्टॉर्म और अपनी श्रेणी में भारत की मोस्ट एडवांस्ड एसयूवी एस्टर के ब्लैकस्टॉर्म 2024 लिमिटेड एडिशन को लॉन्च करने की घोषणा की है। अपने आकर्षक एक्सटीरियर और शानदार इंटीरियर के साथ, हेक्टर स्नोस्टॉर्म एसयूवी लवर्स के लिए एकदम सही विकल्प बन गया है, जो एक आकर्षक, और मजबूत कैरेक्टर के साथ टेक्नोलॉजी से लैस वाहन चाहते हैं। प्रीमियम इंटीरियर्स के साथ एस्टर ब्लैकस्टॉर्म का ब्लैक थीम एक्सटीरियर उन ग्राहकों को एक आकर्षक विकल्प प्रदान करता है, जो एक बोल्ड, परिष्कृत और स्टाइलिश एसयूवी चाहते हैं। 5, 6 और 7 सीटर कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध, एमजी हेक्टर स्नोस्टॉर्म रेंज की शुरुआत 21,52,80/- लाख रुपए (एक्स-शोरूम) से होती है और एस्टर ब्लैकस्टॉर्म 2024 लिमिटेड एडिशन 13,44,800/- लाख रुपए (एक्स-शोरूम) में आता है। इस लॉन्च पर बोलते हुए, सतिंदर सिंह बाजवा, चीफ कमर्शियल ऑफिसर, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, ने कहा, आज हम हेक्टर स्नोस्टॉर्म और एस्टर ब्लैकस्टॉर्म एडिशन को लॉन्च करते हुए काफी उत्साहित हैं।

आईडीबीआई बैंक ने सुगम ऋण भुगतान योजना (एसयूजीएएम) पेश की

नईदिल्ली। आईडीबीआई बैंक ने एक विशेष योजना सुगम ऋण भुगतान योजना (सुगम) शुरू की है। इसके अंतर्गत 31 मार्च, 2021 तक 0.10 करोड़ रुपये से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक (पात्रता मानदंड के अधीन) की मूल बकाया राशि वाले उधारकर्ताओं को अपने कर्ज का एकमुश्त भुगतान आसान शर्तों के साथ करने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि बैंक के रिटेल एनपीए की रिकवरी में तेजी आ सके। यह उन उधारकर्ताओं के लिए अपने कर्ज का निपटान करने का एक सुनहरा अवसर है, जो संकट से जूझ रहे हैं और कानूनी उलझनों में पड़ना नहीं चाहते। इस योजना का विवरण https://www.idbibank.in/idbi-bank-sugam-rinn-bhugtan-yojana.asp& पर उपलब्ध है।

कक्षा पहली से बारहवीं तक के बच्चों का बनवाये जाति, निवास प्रमाण पत्र

व्यक्तिमूलक योजनाओं का शत प्रतिशत करें सेचुरेशन

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिलेवासियों को विभिन्न योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।उन्होंने व्यक्तिमूलक योजनाओं का शत प्रतिशत सेचुरेशन करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं के अंतर्गत पर्याप्त पात्रता परीक्षण कर जरूरतमंदों को निश्चित रूप से लाभ दिलाये।उन्होंने कक्षा पहली से बारहवी तक के बच्चों का जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने कहा कि अभी तक जाति,निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनाने से वंचित बच्चों का स्कूल एवं ग्रामवार सर्वे किया जाए।साथ ही ऐसे बच्चों का आंकड़ा संकलित कर आय, जाति प्रमाण पत्र बनवाने की कार्यवाही करें।जिससे बच्चों को छात्रवृत्ति एवं अन्य शासकीय योजनाओं का आसानी से लाभ मिल सकेगा।कलेक्टर ने खाद्य विभाग को पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड एवं उज्जवला योजना अंतर्गत गैस कनेक्शन से लाभान्वित करने के निर्देश दिये।पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत परम्परागत कारीगरों का पंजीयन एवं प्रशिक्षण सुनिश्चित करने को कहा।श्रम विभाग को 18 से 60 वर्ष के श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्ति करने के निर्देश दिये। शिक्षा विभाग को पीएम पोषण योजना का सुचारू क्रियान्वयन तथा शत प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।स्वास्थ्य विभाग को टीकाकरण,जननी सुरक्षा योजना,आयुष्मान कार्ड एवं टीबी जांच आदि सुनिश्चित करने कहा। विद्युत विभाग को शत प्रतिशत घरों में विद्युतीकरण की सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिये। लीड बैंक मैनेजर को लोगों का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति एवं सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिये। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों का पंजीयन सहित गर्म भोजन एवं टीएचआर,पीएम मातृत्व वंदन योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने पशु टीकाकरण, पीएम आवास,किसान क्रेडिट कार्ड,पीएम किसान सम्मान योजना,एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत भी लोगों को लाभ दिलाते हुए शत प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. 07749-2223370, Email ID :- ee-res.balod@gov.in

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना (चतुर्थ बार)

क्रमांक/07/व.ले.लि./ग्रा.यां.सेवा/2024-25 बालोद, दिनांक 24.09.2024

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से बालोद जिले में स्वीकृत निम्नलिखित कार्यों के लिए सामग्री प्रदाय हेतु लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार अथवा वाणिज्यिकर विभाग में सामग्री प्रदाय हेतु पंजीकृत फर्म/डीलर से कार्य विभाग मैन्युअल से अपेडिंक्स 2.15 के अनुसार प्रपत्र ''सी'' में स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक द्वारा तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 03.10.2024 को अपरान्ह 5.30 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 04.10.2024 को प्रातः 11.30 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी।

कार्य का नाम :-

1. समुदाय के लिए खेल मैदान निर्माण कार्य (वानिकी वृक्षों का ब्लाक वृक्षारोपण कार्य/बंजर भूमि का समतलीकरण कार्य/ मिट्टी मुरूम रोड कार्य/ जल अवशोषण ट्रेन्च कार्य) ग्राम मेडकी ग्राम पंचायत ओरमा विकासखण्ड बालोद सामग्री प्रदाय की अनु. लागत राशि रु. 10.14 लाख अमानत राशि 11200/- निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- सामग्री प्रदाय की अवधि 06 माह

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, आनलाईन पोर्टल http://cg.nic.in/reswork/Tender test report.aspx या अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 24.09.2024 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

G-242502779/1

कलेक्टर अग्रवाल ने शिक्षा विभाग की ली समीक्षा बैठक

कार्यो की अद्यतन जानकारी नहीं होने पर छुरा बीईओ-बीआरसीसी पर जताई गहरी नाराजगी

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिले के सभी बीईओ से उनके क्षेत्र में चल रहे स्कूल भवन निर्माण एवं अन्य प्रगतिरत निर्माण कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षा विभाग में आरईएस एवं आदिवासी विकास विभाग द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यो अंतर्गत पूर्ण-अपूर्ण, प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यो की ब्लाकवार जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही पूर्ण कार्य का गुणवत्ता परीक्षण कर पालन प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने छुरा बीईओ किशुन मतावले एवं छुरा बीआरसीसी हरीश देवागंन से उनके क्षेत्र अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली।दोनों के द्वारा बैठक में निर्माण कार्यो की अद्यतन जानकारी नहीं देने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जताई।साथ ही बीईओ द्वारा पोंड स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल के फर्नीचर व्यवस्थित नहीं करवाने पर भी नाराजगी जताई। कलेक्टर ने बीईओ एवं बीआरसीसी को उनके क्षेत्र अंतर्गत कार्यों से सजग रहते हुए गंभीरता एवं सक्रियतापूर्वक मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने निर्माण कार्यो की समीक्षा के दौरान प्रगतिरत सभी कार्यो के अद्यतन फोटोग्राफ्स के साथ प्रतिवेदन सोमवार तक प्रस्तुत करने के निर्देश सभी बीईओ और बीआरसीसी को दिए।इस दौरान बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी ए.के.सारस्वत, डीएमसी के.एस नायक सहित सभी बीईओ,बीआरसीसी एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने समीक्षा बैठक में समग्र शिक्षा अंतर्गत स्वीकृत,पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यो की ब्लॉकवार जानकारी ली। पिछले वित्तीय वर्षो सहित सभी कार्यो को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने पीएमश्री स्कूल को मेंटर स्कूल के रूप में विकसित करने के लिए गंभीरतापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिये।उन्होंने बैठक में पाठ्यपुस्तक,गणवेश एवं साइकिल वितरण की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पाठ्यपुस्तक किसी भी स्कूल में डम्प एवं अव्यवस्थित नहीं रहना चाहिए। बच्चों को वितरण शत प्रतिशत सुनिश्चित की जाए। अव्यवस्थित पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने साइकिल वितरण में भी अनियमितता नहीं बरतने के निर्देश दिये। कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को पीएम पोषण शक्ति योजना का लाभ दिलाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखी जाए। भोजन साफ-सुथरे जगह में सावधानीपूर्वक बनाई जाए तथा ढककर रखे।भोजन की गुणवत्ता में अनियमितता एवं शिकायत आने पर संबंधितों के खिलाफकार्यवाहीं की जाएगी। कलेक्टर ने गौरव गरियाबंद अभियान अंतर्गत 10वीं, 12वीं बोर्ड के रिजल्ट शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए सभी बीईओ एवं बीआरसीसी को सक्रियता के साथ मॉनिटरिंग करने को कहा।उन्होंने सभी बच्चों को जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र बनाने के सर्वे कार्य को उच्च प्राथमिकता में लेते हुए कार्य करने के निर्देश सभी बीईओ को दिये।

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग//

//ईश्तहार//

(रा.प्र.कं. 202409101000124 अ/6 वर्ष 2023-24)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202409101000124 /अ-6/वर्ष 2023-24 में आवेदिका/आवेदक भरत विशनानी पिता नानकचंद विशनानी निवासी - वैशाली नगर सुपेला भिलाई ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 8666/1 रकबा 0.0210 हे. भूमि है। जो श्रीमती चंद्रादेवी पति स्व. नानकचंद विशनानी के नाम पर दर्ज है। जिसमें श्रीमती चंद्रादेवी पति स्व. नानकचंद विशनानी एवं नानकचंद विशनानी, राजेश विशनानी, श्रीमती भारती आडवानी पिता स्व. नानकचंद विशानी की मृत्यु दिनांक 27/01/2017, 19/04/2008, 25/11/2010, 10/02/2016, 03/01/2007, 17/11/2018 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने बाबत। आवेदन पत्र मय बी-01 की नकल, मृत्यु प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका की छ्या प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18/10/2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/09/2024को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, (छ.ग.)!!

//उद्घोषणा//

ई. कोर्ट कमांक/202409104700058/अ-6-अ/वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राजीव कुमार सोनी पिता श्री श्याम बिहारी सोनी निवासी शांताकुंज जुनवानी भिलाइ तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नंबर 575/51 रकबा 0.0200 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जो कि आवेदक के हक व कब्जे में है। उक्त वर्णित भूमि को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड बयनामा के आधार पर दिनांक 05.10.2000 को विक्रेता हरबंश सिंह पिता- स्व0 हरदयाल सिंह से क्रय किया गया है। जिसका प्रमाणीकरण करवाकर ऋणपुस्तिका प्राप्त कर लिया जिसका ऋणपुस्तिका क्रमांक-2176280 है। किन्तु उक्त भूमि के आनलाईन रिकार्ड में मेरे नाम के स्थान पर मेरे छोटे भाई संजीव कुमार सोनी पिता श्याम बिहारी सोनी का नाम दर्शित हो रहा हैं। जो कि त्रुटिपूर्ण गलत है। अतः उक्त भूमि में आनलाईन रिकार्ड में मेरे छोटे भाई के स्थान पर मेरा नाम राजीव कुमार सोनी पिता- श्याम बिहारी सोनी दर्ज कर सुधार किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवो संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08/10/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 23/09/24 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक- 23/09/24
सुनवाई दिनांक-08/10/24

मुहर

अति. तहसीलदार,
दुर्ग (छ.ग.)

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग//

//ईश्तहार//

(रा.प्र.क. 202409101000120 अ/6 वर्ष 2023-24)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क. 202409101000120 अ/6 वर्ष 2023-24 में आवेदिका/आवेदक श्रीमती लव्हली नैनन ध.प. स्व. शालू थॉमस नैनन निवासी शांति नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख0नं0 7602/3 रकबा 0.010 हे. आवदिका की ससुर के. थॉमस नैनन के नाम पर दर्ज है। को अपने पुत्रवधु श्रीमती लव्हली नैनन को पंजीकृत वसीसत की है। इस आधार पर आवेदिक का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र मय वसीयतनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को वसीयत प्राप्तकर्ता के नाम पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18/10/2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/09/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग//

//ईश्तहार//

(रा.प्र.क. 202409101000123 अ/6 वर्ष 2023-24)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202409101000123 /आ-6/वर्ष 2023-24 में आवेदिका/आवेदक जितेन्द्र कुमार साहू अनंत राम साहू निवासी - कोहका सुपेला भिलाई ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 1121, 1122, 1147 रकबा 0.010, 0.010, 0.010 हे. भूमि है। जो अनंत राम साहू पिता दशरथ साहू के नाम पर दर्ज है। जिसमें अनंत राम साहू पिता दशरथ साहू की मृत्यु दिनांक 06/10/2019 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने बाबत। आवेदन पत्र मय बी-01 की नकल, मृत्यु प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका की छ्या प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 14/10/2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/09/2023 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

कार्यालय कलेक्टर दुर्ग (छ.ग.) एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग,

-:: सार्वजनिक सूचना ::--

क्रमांक / 1270/भू-अर्जन/आ.क.नि.-16 धमधा, दिनांक 17/09/2024

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की सिद्धबाबा जलाशय के अंतर्गत अगार डिस्ट्रीब्यूटरी निर्माण हेतु ग्राम-नवागांव पहनं. 03 रा.नि.गं.. पेण्ड्रावन तह0 धमधा जिला दुर्ग (छ0ग0) के भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से क्रय नीति-2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता, तांदुला जल संसाधन, संभाग-छुईखदान, जिला खैरागढ छुईखदान-गण्डई (छत्तीसगढ़) के पक्ष में क्रय करने पर विचार किया जा रहा है। विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	भूमिस्वामी का नाम व पिता व पति का नाम	क्रय किये जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर संपत्तियों का विवरण
		खसरा नंबर	प्रभावित रकबा हे.	
1	2	3	4	5
1	दुबेलाल पिता रामाधार जाति लोधी	56/1	0.1210	-
2	खेमूपाल पिंता अर्जन पाल युवजरा पाल (ना.बा.) पिता मुकेश पाल जाति गड़रिया	56/2	0.0530	-
3	शत्रुहन पिता रामदास जाति सतनामी	55/4	0.1130	-
4	ओमप्रकाश पिता रामदास जाति सतनामी	55/5	0.1180	-
5	निर्मला पिता सुकलाल तीज बाई पति सुकलाल खोमलाल, रामाधार, रामनी, सवाना पिता गुहा सुरेश, सुनिति पिता महंगूराम जाति गोड़	54	0.2310	-
6	नरहर, सुकवारो, जेठीया, फेकन पिता हरिराम जाति गोंड	49	0.1050	-
7	बिसेलाल, खेलावन पिता अंथराम बुधिन बाई पति अंथराम परमानन्द, पारस ठाकुर, राकेश ठाकुर, ललिता पिता रूपसिंह, यशोदा पति रूपसिंह जाति गोड	48	0.1170	-
8	कुलेश्वर सिंह ठाकुर पिता होमसिंह ठाकुर जाति गोड	66/1	0.0810	-
9	होमन सिंह, ढालसिंह पिता लक्ष्मण, सोनबती जौजे लक्ष्मण जाति गोंड	43	0.146	-
		44	0.146	
10	उमेंदी, जेठूराम, जेठराम, दीनूराम पिता दानी जाति यादव	42	0.061	-
11	प्रेमलाल सेन, हेमलाल सेन पिता जगदीश सेन जाति नाई	41	0,093	-
12	जगदीश पिता करण लाल जाति सेन	40/2	0.008	-
13	देवलाल पिता करण जाति नाई	38	0.255	-
14	कामनाथ, हेमराज, प्रभूराम, सुरुजबाई, रेखाबाई, प्रेमबाई, बुधराम पिता राजाराम जाति गोड	122/1	0.081	-
15	सेतुल, जहरसिंह, रायसिंह, ममता, सावित्री पिता करण सिंह, झूनीबाई पति करण सिंह जाति गोड	119	0.061	-
16	सेउक राम पिता चैतुराम, रेवती बाई पति चैतूराम जाति गोड	121	0.101	-
		120	0.020	
17	कृपालसिंह पिता पीलाराम जाति लोधी	157	0.121	-
	योग	19	2.032	-

02- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है।

(ऋचा प्रकाश चौधरी)
कलेक्टर जिला दुर्ग (छ.ग.)
एवं पदेन संयुक्त सचिव छत्तीसगढ़
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी - 242502808/2

संक्षिप्त-खबर

पाटन में भाजपाइयों ने मनाई पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की 108 वीं जयंती

पाटन (समय दर्शन)। जनसंघ के संस्थापक पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की 108 वीं उपलक्ष्य में पाटन नगर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने रेस्ट हाउस में उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर जयंती मनाया इस अवसर पर भाजपा मध्य पाटन मण्डल के उपाध्यक्ष व नगर पंचायत पाटन के नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले ने बताया राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाह्न पर सदस्यता अभियान का कार्य चल रहा है जिसमें सभी कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा भाजपा का सदस्य बनाने के लिए कही व पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की 108 वीं जयंती पर उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर मण्डल उपाध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले,अपिछा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दामोदर चक्रधारी,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष केवल देवांगन भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष कुणाल शर्मा,महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष निशा सोनी,नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष रानी बंछोर,सागर सोनी,राज देवांगन,हेमलता पटेल,राधे यादव,आदित्य सावर्णी,नितेश तिवारी,नीलकंठ देवांगन,रेणुका बिजौरा,ओमप्रकाश साहू,भास्कर वर्मा,छबिश्याम देवांगन,राधिका कोसे,चंद्रप्रकाश देवांगन,देवेन्द्र ठाकुर,अजहर खान सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कुड़ेकेल में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया

बसना (समय दर्शन)। शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कुड़ेकेल के प्राचार्य बलदेव मिश्रा के मार्ग दर्शन में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा (स्वभाव स्वच्छता -संस्कार स्वच्छता)कार्यक्रम के तहत सफ़ाई कैसे किया जाये, स्वयं के ऊपर एवं तमाम परिवारों पर ,अपने घर के आजू -बाजू सामूहिक रूप से सफ़ाई करने उपस्थित छात्र-छात्राओं ने विचार व्यक्त किये ।स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता के तहत विद्यालय परिसर में सफाई करने पश्चात एक पेड़ माँ के नाम थीम के तहत 51नग वृक्षारोपण विद्यालय के छात्र - छात्राओं द्वारा प्राचार्य बलदेव मिश्रा के निर्देशन में किया गया । स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वस्थ कैसे रहे जिसमें भोजन ,पानी ,वस्त्र जलवायु अनुसार गरम पानी का उपयोग एवं बासी भोजन से परहेज के साथ ही साथ नीम एवं नीलगिरी पत्तों से धुंआ करें,, जिससे मच्छर का खात्मा एवं स्वास्थ्य ठीक रहने का विचार बलदेव मिश्रा प्राचार्य द्वारा प्रदान किया गया ।

शासकीय उच्च प्राथमिक शाला बंसूला में संकुल स्तरीय बैठक सम्पन्न

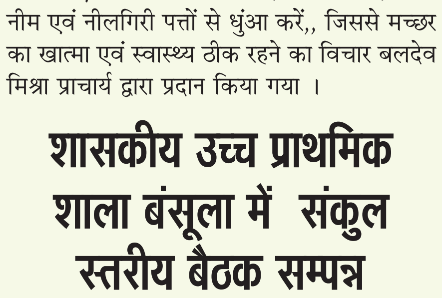

बसना (समय दर्शन)। विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया एवम् बीआरसीसी पूर्णानन्द मिश्रा के आदेशानुसार बंसुला मे संकुल स्तरीय बैठक उच्च प्राथमिक शाला बंसुला में आयोजित किया गया। इस बैठक में संकुल समन्यवक गोवर्धन डडसेना ने सभी स्कूलों से उपस्थित हुए प्रधान पाठकों से अनेक शैक्षिक विषयों पर चर्चा की। जिसमें से जाति प्रमाण पत्र संबधी, यू डाइस पूर्ण करने के संबंध में, गणवेश, अवकाश, साउंड सिस्टम के साथ प्रार्थना,आदि अन्य विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक में सुशील सिन्हा, दिनेश डडसेना, प्रवीर कुमार बेहेरा, गीतांजलि नाग, संतोषी साहू, मीना सहारे, शशि कुमार साव, प्रेमनाथ प्रधान, राजेश भोई, सुजाता प्रधान, राकेश पाण्डे उपस्थित थे।

शासकीय प्राथमिक शाला छोटेटेमरी में नेवता भोज कार्यक्रम

बसना (समय दर्शन)। बसना विकास खण्ड के प्राथमिक शाला छोटेटेमरी में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विरेंद्र साव के जन्मदिवस के अवसर पर उनके द्वारा विद्यालयीन बच्चों को नेवता भोज कार्यक्रम कराया गया।

बच्चो को पौष्टिक एवम स्वादिष्ट भोजन कराने हेतु मुख्यमंत्री पोषण शक्ति योजना का आयोजन किया जा रहा है।

नेवता भोजन में स्वादिष्ट दाल,खाना,सब्जी, मीठा परोसा गया। नेवता भोजन ग्रहण कर बच्चे प्रसन्न हुए। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित समस्त पालकों, बच्चों,शिक्षकों ने शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष विरेंद्र साव को जन्म दिवस की बधाई दिए।

कार्यक्रम में उपस्थित संकुल समन्वयक बड़ेटेमरी वारिश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि,नेवता भोजन से बच्चों को घर जैसा उत्तम व स्वादिस्ट भोजन मिलने लगा है और ऐसे आयोजन से समाज के गणमान्य जनों को सतत विद्यालय आने का सुअवसर प्राप्त होता है।

बच्चों और समाज के गणमान्य जनों के बीच अपनेपन की भावना विकसित होती है। उपसरपंच सुरेश साव ने अपने संबोधन मे कहा कि, नेवता भोज से बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी।

प्रधान पाठक गफ्फार खान ने अपने संबोधन में कहा कि,नेवता भोज जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, विभिन्न त्यौहारों, राष्ट्रीय पर्व और खुशी के मौके पर दिया जा सकता है इसके बारे में बताया।

इस कार्यक्रम मे बड़ेटेमरी के संकुल समन्वयक वारिश कुमार, उपसरपंच सुरेश कुमार साव, एस एम सी अध्यक्ष विरेंद्र साव, डोलामनी, राधेश्याम,अन्नू, अयान ,शिक्षिका तंजू साव, प्रीतम पटेल,नीलम कुमार और रसोइया खैरुन हुसैन उपस्थित थे। अंत में प्रधान पाठक गफ्फार खान ने सभी का आभार प्रकट किया।

बच्चें हो सके निपुण इसलिए एफएल एन पर जोर

पाटन (समय दर्शन)। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भाषा शिक्षण में संतुलित शिक्षण पद्धति व गणित शिक्षण में 5 प्रकार व्यवस्थित शिक्षण पद्धति का अनुसरण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के द्वारा निर्देशित बुनियादी साक्षरता व संख्यात्मकता एक अभियान के रूप में चलाया जा रहा हैं7 जिले भर में सभी प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों का प्रशिक्षण किया गया हैं जिसके आधार पर कक्षा-कक्ष की शिक्षण प्रक्रिया संचालित की जा रही हैं7 इसी सन्दर्भ में सितम्बर माह के समीक्षा बैठक में पाटन विकासखंड के 5 जोन बालक पाटन,जामगांव आर,जनता भिलाई,सांकरा और बालक सेलूद में 57 संकुल के 209 शिक्षक और 31 संकुल अकादमिक समन्वयक शामिल रहें। समीक्षा बैठक के दौरान प्राथमिक शाला पतोरा में श्रीमति कविता देवांगन जी के द्वारा भाषा विषय

की एक दिवस कार्य योजना का आदर्श प्रदर्शन किया गया7 बैठक में एस आर जी सुशील सूर्यवंशी,अंकेश्वर महिपाल , मुकेश साहू डी आर जी रुपेश साहू , टिकेश्वर साहू, खिलेश वर्मा ,युगेश साहू , पीतेंद्र देवांगन , महेंद्र बहादुर , मिताली चौधरी , श्रीमती रेणुका वर्मा लैंग्वेज × लर्निंग फाउंडेशन से कुलेश्वर साहू के द्वारा कक्षा ङ्क कक्ष के प्रिंट रिच वातावरण, मुस्कान पुस्तकालय, वर्ण/अक्षर की पक्की पहचान, उच्च स्तरीय चिंतन कौशल विकास , अंको/संख्याओं की श्वस्क्र रणनीति के उपयोग से पक्की पहचान,स्थानीय मान पर विस्तार से चर्चा किया गया7 भाषा में 26 व गणित में 25 सप्ताह की कार्ययोजना के अंतर्गत अभ्यास पुस्तिका, शिक्षक संदर्शिका और पाठ्य पुस्तिका का एलाइनमेंट, साप्ताहिक आंकलन पश्चात उपचारात्मक शिक्षण , विगत दो माह की चुनौती पर शिक्षकों व संकुल अकादमिक समन्वयकों के द्वारा कक्षा- कक्ष के अनुभव साझा किये गए।

उक्त समीक्षा बैठक में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री खिलावन चोपड़िया के द्वारा स्नस्न्ह्र मिशन के महत्व को ध्यान में रखते हुए शाला व कक्षा अवलोकन में प्राप्त अपने स्वयं के अनुभव साझा किये और शिक्षकों को मार्गदर्शित किये कि कैसे हम व्यवस्थित शिक्षण शास्त्र का उपयोग करते हुए बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार कर सकते हैं 7 जोंन के समीक्षा बैठक में संकुल अकादमिक समन्वयक व स्स्न जिला कार्यक्रम प्रबंधक रामरतन मीणा के द्वारा भाषा व गणित शिक्षण के अनुभव , चुनौती और समाधान पर विस्तार से चर्चा किये7 बैठक में ब्लॉक अकादमिक समन्वयक हितेश सांग व कक्षा 1 से 3 तक अध्यापन करने वाले शिक्षक साथी उपस्थित रहें।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने निकाली भव्य हमर पोरा रेली

अहिवारा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़िया परंपरा और संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए हुए छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और सर्व छत्तीसगढ़िया समाज अहिवारा ने हमर पोरा रेली अहिवारा का भव्य आयोजन किया जिसमें बैलगाड़ी रेली, नवदुर्गा नृत्य सुवा नृत्य बस्तरिहा नृत्य अखाड़ा, पंथी और राउत नाचा की मनमोहक प्रस्तुति कलाकारों के द्वारा दी गई7अहिवारा में पहली बार पुरी तरह से छत्तीसगढ़िया संस्कृति को दर्शाते हुए सांस्कृतिक रेली नीकाली गई7छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना का नगर स्तर में आयोजन का ये पहला साल था जीसे नगर वासिओं ने बहुत पसंद किया और आयोजन के लिए छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना की पूरी टीम को बहुत बहुत बधाई और शुभकामना दी7 छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा की टीम का कहना था कि इतने बड़े आयोजन के लिए वो 2 महीने से तैयारी कर रहे थे और ये पूरा आयोजन आम जनता के सहयोग और सेनानियों के समर्पण और कथिन परिश्रम से ही संभव और सफ्ल हो पाया7 आयोजन समिति के परमेश्वर ठाकुर (संरक्षक),कौशल साहू (जिला उपाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी दुरुग ग्रामीण),धर्मेन्द्र साहू(जिला उपअध्यक्ष भिलाई नगर),माधव साहू(संयोजक छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर), भूषण साहू (सहसंयोजक),आशुतोष साहू (अध्यक्ष छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर),अनिल साहू (उपाध ?यक्ष),मुकेश साहू (उपाध्यक्ष),योगेश वर्मा (महामंत्री) हिमालय ध्रुव (सचिव), घनस्याम साहू (सह सचिव), सेनानी महेंद्र धुर्वे,राकेश, मोहित, संतोष,इंदल,राजू,कृष्णा,पप्पू, कामेश्वर, उत्तरा, ओंकार वे अन्य सेनानियों ने नगर वासीयों का आभार व्यक्त किया।

बीजेपी सरकार से जनता का भरोसा उठा, पुनः कांग्रेस की सरकार बनाने लोगों ने ठाना- विजय

कवर्धा (समय दर्शन)। सिग्नल चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय कवर्धा में एआईसीसी के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी छत्तीसगढ़ विजय जांगिड़ व जिला संगठन प्रभारी पदम कोठारी ने जिले के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ली। उन्होने कहा कि बीजेपी सरकार से जनता का भरोसा उठ गया है और लोगों ने पुन: कांग्रेस की सरकार बनाने का ठान लिया है।

बुधवार को आयोजित बैठक में नेताद्वय ने आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव हेतु कार्यकर्ताओं को चार्ज किया। छग प्रभारी विजय ने कहा कि संगठन को शक्ति प्रदान करने सबको एकजुट होकर विपक्ष की भूमिका निभाते हुए सत्ता पर आसीन हिटलर शाही सरकार के खिलाफ़ आवाज़ बुलंद करने प्रेरित किया। जिससे छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में बढ़ रही अपराध, लूटमार, चोरी, डकैती, भ्रष्टाचार एवं दुष्कर्म की घटनाओं से लोगों को निजात दिलाया जा सके। उन्होने कहा कि 9 महीने की बीजेपी की सरकार में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है.

जनता का कोई भी वर्ग आज सुरक्षित नहीं है।

कबीरधाम संगठन प्रभारी पदम कोठारी ने कहा कि अमरगुफा की आड़ में सरकार ने कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया है। गृहमंत्री विजय शर्मा के गृह जिले में साहू समाज के तीन लोगों की हत्या हो गई, पुलिस मूकदर्शक बनी रही। श्री कोठारी ने आरोप लगाया कि घटना को टाला जा सकता था लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। पुलिस की प्रताड़ना से जेल में एक युवक की मौत तक हो गई और अनेक घायल और लापता हैं। कानून व्यवस्था के मुद्दे पर हम छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा निकाल रहे हैं।

बीजेपी के झूठ और अन्याय से न केवल प्रदेश के जनता परेशान है अपितु उनके खुद के कार्यकर्ता ही अब उनके विरोध में उतरने लगे हैं, प्रदेश में बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों से उनके खुद के कार्यकर्ता भी इसके गिरफ्त में आ चुके हैं, छत्तीसगढ़ में निरंतर बढ़ रहे अपराध से यह स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा की सरकार सत्ता के लायक नहीं है, उनसे देश और प्रदेश की कानून व्यवस्था और जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। बीजेपी की सरकार भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी को निरंतर कष्ट दे रहा। लगातार देश और प्रदेश के गरीब किसान मजदूर महिला और युवतियों के साथ अन्याय हो रहा। लगातार खबरों में बड़ी घटनाओं और हृदय विदारक सूचना आ रहा, लेकिन उन सबको नियंत्रण करने के स्थान पर मूक दर्शक बनकर बैठी हुई है, सरकार।

इस बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष होरी साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष नीलकंठ चंद्रवंशी, पूर्व विधायक पंडरिया ममता चंद्राकर, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा अनंत, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष वर्षा रानी ठाकुर, नारायणी टोंडर, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षगण पीताम्बर वर्मा, रामचरण पटेल, नवीन जायसवाल, उत्तरा दिवाकर, सुमिरन सिंह धुर्वे सहित सभी प्रकोष्ठ/विंग के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित रहे।

गिरौदपुरी से कांग्रेस निकालेगी 27 को न्याय यात्रा- श्री जांगिड़ ने कहा कि कांग्रेस 27 सितंबर को न्याय यात्रा का आगाज गिरौदपुरी धाम से करेगी। करीब 125 किमी की यात्रा तय कर छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा रायपुर पहुंचेगी और दो अक्टूबर गांधी जयंती के मौके पर इस यात्रा का समापन होगा। यात्रा के जरिए कांग्रेस कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरेगी।

साइकिल मिलते ही रेमड़ा के बच्चों के चेहरे खिले

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नि:शुल्क सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत दिनांक 27 सितंबर 2024 को पिथौरा और बसना विकासखंड के सरहद पर बसे विद्यालय शासकीय हाई स्कूल रेमड़ा में कक्षा नवमीं में नियमित रूप से अध्ययनरत कुल 27 बच्चों को नि:शुल्क सरस्वती सायकल का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य विरेंद्र कुमार साहू ने कहा कि, साइकिल मिलने से बच्चों को विद्यालय पहुंचने में आसानी होगी, जिससे उनका समय भी बचेगा। बच्चे समय का उपयोग अपने अध्ययन में लगा सकते हैं। इस कार्यक्रम में जनपद सदस्य सोहन पटेल, सरपंच श्रीमति पार्वती नेताम, हाई स्कूल के शाला प्रबंधन एवम् विकास समिति अध्यक्ष झाड़ूराम परमार, समिति सदस्य सुकुत राम पटेल, सहदेव पटेल एवं समिति के सदस्य तथा पालकगण और विद्यालय के शिक्षकवृंद अशोक कुमार साहू, आशा शर्मा एवम् रामरतन भोई उपस्थित थे।

नए भारत के निर्माण की राह दिखाने वाले पंडित दीनदयाल- भावना बोहरा

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितम्बर के अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने उनके आदर्शों और विचारों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि उपाध्याय जी का मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति अपने अधिकारों और संसाधनों से वंचित रहेगा, तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं है। उन्होंने स्व. उपाध्याय के विचारों और आदर्शों पर चलने की अपील करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति के एक प्रमुख विचारक हुए जिन्होंने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और अंत्योदय के विकास पर देश की राजनीति को एक नई दृष्टि दी। अंत्योदय का सिद्धांत विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होने कहा कि स्वतंत्रता के बाद एक तरफजहां भारत प्रगति के नए सपने देख रहा था वहीं दूसरी ओर समाज की पंक्ति में पीछे खड़े लोगों की दुर्दशा पंडित जी को बेचैन कर रही थी। उन्हें लग रहा था कि देश की तत्कालीन राजनीतिक व्यवस्था इस अंतर को मिटाने में सक्षम नहीं है क्योंकि व्यवस्था का दृष्टिकोण भारतीय नहीं है। इस उद्देश्य से उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए अंत्योदय को एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया। दीनदयाल जी का मानना था कि विकास का असली मतलब केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग के उत्थान में है। किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उस समाज के अंतिम

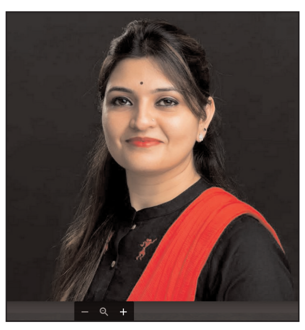

व्यक्ति की भलाई से मापी जाती है। दीनदयाल जी के अंत्योदय का सिद्धांत न केवल आर्थिक विकास पर केंद्रित है, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय और समानता भी शामिल है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों से प्रेरित और अंत्योदय के प्रति समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राष्ट्रनिर्माण की दिशा में अपने तीसरे कार्यकाल में सतत समर्पित हैं। विगत 10 वर्षों में श्री मोदी को सरकार ने देश के अन्नदाताओं के लिए किसान सम्मान निधि के माध्यम से प्रतिमाह 6000 रुपए की राशि दी जाती है। इसके माध्यम से 2.25 लाख करोड़ रुपए सीधे किसानों के खातों में जमा हुए हैं। इसके साथ ही श्री मोदी जी के नेतृत्व में 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। वहीं लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए श्री मोदी ने 33: आरक्षण की सौगात भी दी है। तीन तलाक से मुस्लिम महिलाओं को आजादी दिलाने से लेकर गांव-गरीब-मजदूर तक ढ़ेरों योजनाएं संचालित कर श्री मोदी ने सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य को धरातल पर साकार किया है।

विधायक भावना ने कहा कि छत्तीसगढ़ में इसी अंत्योदय के विचार पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश की जरूरतमंदों के लिए ?1 किलो चावल, निशुल्क नमक, आदिवासी अंचल में नि:शुल्क चरण पादुका वितरण समेत ढ़ेरों योजनाएं संचालित की। आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की 70 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह 1000 का आर्थिक सहयोग, 18 लाख जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास समेत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं आज छत्तीसगढ़ का नेतृत्व भी एक ऐसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के हाथ में हैं। जो अंत्योदय के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं वह आदिवासी समाज जिसे पंक्ति में सबसे पीछे समझा जाता था आज वह हम सभी छत्तीसगढ़वासियों का नेतृत्व कर रहे हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के सिद्धांत में स्वावलंबन की भावना भी निहित है, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा को अंत्योदय के लिए एक महत्वपूर्ण साधन माना। उनका मानना था कि शिक्षा ही लोगों को अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक कर सकती है।

समाज की अंतिम व्यक्ति की भलाई के बिना सच्चा विकास संभव नहीं- भावना बोहरा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन और उनके विचार भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनका अंत्योदय का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है और यह दर्शाता है कि समाज के अंतिम व्यक्ति की भलाई के बिना सच्चा विकास संभव नहीं है। उनके विचारों को अपनाकर हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहाँ हर व्यक्ति का सम्मान हो और हर किसी के अधिकार सुरक्षित हों।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26